page 1 and 8 mar 10_page 1 Mar 25 final ds.qxd 3/10/2026 1:27 AM Page 1

3 जीजीएम साइंस कॉलेज में विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन

5 संजू सैमसन की धमाकेदार पारी, टी20 वर्ल्ड कप में विराट का रिकार्ड तोड़ा

8 औषधि के रूप में त्रिफला

epaper.dehatsandesh.com

मौसम जम्मू न्यूनतम 18 अधिकतम 31

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-59 | जम्मू तवी, मंगलवार 10 मार्च, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना सरकार का संकल्प; शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल प्रमुख क्षेत्र : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, 9 मार्च। प्रधानमंत्री Narendra Modi ने सोमवार को कहा कि देश की शिक्षा प्रणाली को वास्तविक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करने की आवश्यकता है। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और ऑटोमेशन जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देने पर भी जोर दिया।

बजट के बाद आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना उनकी सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं जो लोगों की उम्मीदों को पूरा करने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने कहा, जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना केवल एक विषय नहीं, बल्कि हमारी सरकार का मुख्य उद्देश्य और संकल्प है। इस वेबिनार में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के विशेषज्ञ भी शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल और संस्कृति जैसे क्षेत्र लोगों की आकांक्षाओं को

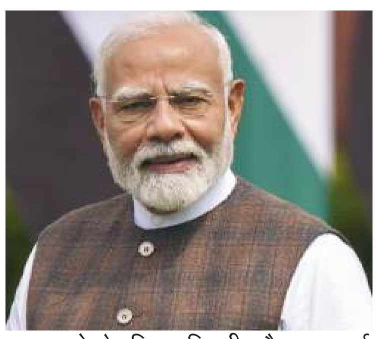

पूरा करने के लिए बुनियादी और महत्वपूर्ण साधन हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रणाली को वास्तविक दुनिया की अर्थव्यवस्था से और अधिक तेजी से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा, एआई, ऑटोमेशन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और डिजाइन आधारित विनिर्माण जैसे विषयों पर हमें अपना ध्यान और अधिक बढ़ाना होगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि स्ञ्श्वरू(साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथमेटिक्स) भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि देश की बेटियां स्ञ्श्वरू में काफी रुचि ले रही हैं। भविष्य की तकनीकों के दौर में यह जरूरी है कि अवसरों की कमी के कारण कोई भी बेटी पीछे न रह जाए। इसके लिए ऐसा शोध वातावरण बनाना होगा, जहां युवा शोधकर्ताओं को नए विचारों पर काम करने के पर्याप्त अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र को भी मजबूत किया गया है। Ayushman Bharat Yojana और आरोग्य मंदिरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ी है। प्रधानमंत्री ने केयर इकोनॉमी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रशिक्षित केयरगिवर्स बुजुर्गों की देखभाल में मदद करते हैं। जैसे-जैसे वरिष्ठ नागरिकों की संख्या बढ़ेगी, वैसे-वैसे केयरगिवर्स की मांग भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए नए प्रशिक्षण मॉडल विकसित किए जाने चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज निवारक और समग्र स्वास्थ्य की दृष्टि के साथ आगे बढ़ रहा है और पिछले कुछ वर्षों में देश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया गया है। उन्होंने बताया कि सैकड़ों जिलों में नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं और आयुष्मान भारत योजना के तहत वेलनेस सेंटरों के जरिए गांवों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई गई हैं प्रधानमंत्री ने देश की युवा शक्ति का भी उल्लेख करते हुए कहा कि जब युवा स्वस्थ, अनुशासित और आत्मविश्वास से भरे होते हैं, तभी यह शक्ति राष्ट्रीय शक्ति बनती है। उन्होंने कहा कि इसी कारण पिछले कुछ वर्षों में खेलों को राष्ट्रीय विकास की एक महत्वपूर्ण धारा के रूप में देखा गया है उन्होंने कहा कि Khelo India जैसी पहलों ने देश के खेल पारिस्थितिकी तंत्र में नई ऊर्जा भर दी है और पूरे देश में खेल अवसंरचना को मजबूत किया जा रहा है।

> “स्वास्थ्य क्षेत्र को भी मजबूत किया गया है। Ayushman Bharat Yojana और आरोग्य मंदिरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ी है

भारत पश्चिम एशिया में शांति पूर्ण समाधान का पक्षधर, नागरिकों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : जयशंकर

नयी दिल्ली 09 मार्च । भारत ने सोमवार को दोहराया कि वह पश्चिम एशिया में संघर्ष की स्थिति में संयम, संवाद और कूटनीतिक के रास्ते से समाधान के पक्ष में है और उसके लिए भारतीय समुदाय के लोगों की सुरक्षा और देश की ऊर्जा सुरक्षा सहित राष्ट्रीय हित सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान के विरुद्ध अमेरिका और इजराइल की लड़ाई से उत्पन्न स्थित पर संसद के दोनों सदनों में स्वत- दिये गए बयानों में आश्वासन दिया है कि क्षेत्र में फंसे भारत के लोगों, ट्रांज़िट यात्रियों और तुरंत वापस आने की इच्छा रखने वाले भारतीयों की मदद के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उनके बयान के दौरान दोनों सदनों में विपक्ष ने हंगामा करते हुए बहिर्गमन किया। विदेश मंत्री ने पश्चिम एशिया के बारे में भारत के दृष्टिकोण के तीन मार्गदर्शक सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा , भारत शांति का पक्षधर है और संवाद व कूटनीति की वापसी का समर्थन करता है। हम तनाव कम करने, संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की वकालत करते हैं। दूसरे सिद्धांत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, (पश्चिम एशिया) क्षेत्र में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए हम क्षेत्र की सरकारों के साथ मिलकर काम करते रहेंगे। विदेश मंत्री ने कहा कि तीसरा सिद्धांत यह है, हमारे राष्ट्रीय हित - जिसमें ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार- प्रवाह शामिल हैं- हमेशा सर्वोपरि रहेंगे। विपक्ष ने दोनों सदनों में विदेश मंत्री के बयान के दौरान हंगामा किया। विपक्ष ने

पहले श्री जयशंकर के राज्य सभा में इस बयान के दौरान पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण देश के समक्ष ऊर्जा सुरक्षा की चुनौतियों पर नियम 176 तहत चर्चा कराने की मांग को लेकर सदन से बहिर्गमन किया।विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने युद्ध छिड़ने के पहले दिन 28 फरवरी को एक बयान जारी कर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की थी और सभी पक्षों से संयम बरतने, स्थिति को और न बिगाड़ने तथा नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की थी।

पेट्रोल, डीजल के दाम फिलहाल नहीं बढ़ेंगे, देश के पास पर्याप्त ईंधन भंडार

नई दिल्ली, 09 मार्च । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बावजूद फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। हालांकि, सरकार ने तेल एवं गैस विपणन कंपनियों को एलपीजी प्रोडक्शन बढ़ाने का आदेश दिया है।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को दी जानकारी में बताया कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तुरंत बढ़ोतरी की कोई संभावना नहीं है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस समय उत्पाद शुल्क को घटाने पर भी कोई विचार नहीं चल रहा। देश के पास पर्याप्त ईंधन भंडार है। वहीं, सप्लाई को लेकर कोई चिंता नहीं है। सूत्रों ने बताया कि सरकार कच्चे तेल की कीमतों पर लगातार नजर बनाए हुए है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि हमारे पास तेल का पर्याप्त स्टॉक है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है, जब तक कच्चे तेल की कीमतें 130 डॉलर प्रति बैरल को पार नहीं करतीं, पेट्रोल-डीज़ल की कीमतें बढ़ने की उम्मीद नहीं है। हमें उम्मीद है कि कच्चे तेल की कीमतें लगभग 100 डॉलर प्रति बैरल होंगी। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि देश में किसी भी पंप पर पेट्रोल और डीज़ल की कमी की कोई

समस्या नहीं है। हमने होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर के रास्तों से कच्चे तेल की सोर्सिंग तेज़ कर दी है। भारत के पास एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) का काफ़ी स्टॉक है। क्योंकि भारत एटीएफ का निर्माता और निर्यातक है। एटीएफ को लेकर भी घबराने की जरूरत नहीं है। भारत दूसरे देशों के मुकाबले बेहतर स्थिति में है। कई देशों ने स्टॉक लेने के लिए भारत से संपर्क किया है। सरकारी सूत्रों का कहना है एलपीजी के जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए घरेलू रसोई गैस की बुकिंग का समय 21 से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया गया है। दरअलस कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जहां जो लोग पहले 55 दिनों में एलपीजी सिलेंडर को बुक करते थे, उन्होंने अब 15 दिनों में एलपीजी सिलेंडर बुक करना शुरू कर दिया है। इसको देखते हुए सरकार ने रिफाइनरियों को एलपीजी का उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया है।

‘एक देश, एक चुनाव’ राष्ट्रहित में : गुलाम नबी आज़ाद

नई दिल्ली, 9 मार्च। पूर्व कांग्रेस नेता Ghulam Nabi Azad ने सोमवार को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने के प्रस्ताव का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि यह कदम देश के हित में होगा। उन्होंने कहा कि इससे समय की बचत होगी, शासन व्यवस्था में सुधार आएगा और विकास कार्यों को गति मिलेगी।

आज़ाद संसद की संयुक्त समिति के सामने पेश हुए, जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने से संबंधित विधेयकों की जांच कर रही है। समिति की अध्यक्षता भाजपा सांसद P. P. Chaudhary कर रहे हैं।

समिति के सामने उपस्थित होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में आज़ाद ने कहा कि वह 1983 से ही एक साथ चुनाव कराने के समर्थक रहे हैं, जब Indira Gandhi के नेतृत्व में सरकार थी।

उन्होंने कहा, मैं लंबे समय से

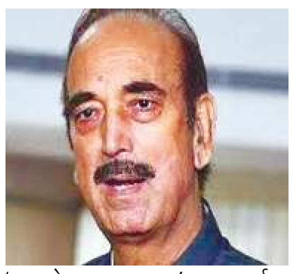

‘एक देश, एक चुनाव’ का समर्थक रहा हूं। वर्ष 1983 में, जब इंदिरा गांधी की सरकार थी, तब Election Commission of India ने सुझाव दिया था कि एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर विचार किया जा सकता है। मैंने उस विचार का समर्थन किया था।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री आज़ाद ने कहा कि तब से चुनावों की संख्या काफी बढ़ गई है। कांग्रेस में कई राज्यों के प्रभारी महासचिव के रूप में उन्हें विभिन्न राज्यों में लगातार होने वाले चुनावों में शामिल रहना पड़ता था।

उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराना देश के हित में होगा।

समिति के अध्यक्ष P. P. Chaudhary ने कहा कि आज़ाद ने देशहित में अपने विचार रखे हैं और इस पहल के लिए सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा और लोकसभा के लिए एक ही मतदाता सूची के साथ एक साथ चुनाव कराए जाएं, तो समय और सरकारी संसाधनों दोनों की बचत होगी। चौधरी ने बताया कि कुछ विपक्षी सदस्यों ने भी एक ही मतदाता सूची की मांग की है। उन्होंने कहा, आज की बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। मैं आज़ाद साहब का धन्यवाद करता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि अलग-अलग समय पर चुनाव होने के कारण शासन व्यवस्था पर पूरा ध्यान नहीं दिया जा पाता। सदस्यों ने भी महसूस किया है कि ‘एक देश, एक चुनाव’ की पहल किसी राजनीतिक दल के लिए नहीं, बल्कि देश के हित में है।

पंचायत मतदाता सूची का पुनरीक्षण इस महीने से शुरू होगा

जम्मू तवी,9 मार्च। जम्मू-कश्मीर के राज्य चुनाव आयुक्त शान्तमनु ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जम्मू-कश्मीर में पंचायत मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के लिए तैयार रहें। यह प्रक्रिया इस महीने के चौथे सप्ताह में शुरू होने की संभावना है।

सूत्रों ने बताया कि शान्तमनु ने आज एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण की तैयारियों की समीक्षा की गई।

बैठक में दोनों संभागीय आयुक्त, उपायुक्त, श्रीनगर नगर निगम और जम्मू नगर निगम के आयुक्तों के साथ-साथ ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के अधिकारी भी शामिल हुए।

बैठक के दौरान राज्य चुनाव आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पूरे केंद्र शासित प्रदेश में पंचायत मतदाता सूचियों के आगामी पुनरीक्षण के लिए तैयार रहें।

> **अंतिम सूची मई तक आने की उम्मीद; शहरी स्थानीय निकायों की सूची SIR के बाद ही**

सूत्रों के अनुसार, यह प्रक्रिया इस महीने के चौथे सप्ताह में प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची जारी करने के साथ शुरू होगी। इसके बाद अंतिम मतदाता सूची के पहले या दूसरे सप्ताह मई में प्रकाशित होने की संभावना है। अधिकारियों के मुताबिक, शहरी स्थानीय निकायों के लिए मतदाता सूची जम्मू-कश्मीर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि नगर निकाय चुनावों के लिए विधानसभा चुनावों की मतदाता सूची का उपयोग किया जाता है। वर्ष 2021 के बाद से विधानसभा मतदाता सूची का कोई पुनरीक्षण नहीं हुआ है।

मुख्य सचिव ने हितधारकों के साथ भविष्य की रूपरेखा पर की चर्चा

जम्मू तवी,09 मार्च । मुख्य सचिव Atal Dulloo ने आज जम्मू-कश्मीर में शासन व्यवस्था और जनसेवाओं की डिलीवरी में Artificial Intelligence के उपयोग और विस्तार को लेकर विभिन्न हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा की।

बैठक में संबंधित प्रशासनिक सचिवों के अलावा Indian Institute of Technology Jammu के निदेशक, IndiaAI Mission के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, Bhaskaracharya National Institute for Space Applications and Geo-informatics (बीआईएसएजी-एन) के विशेष महानिदेशक तथा केंद्र शासित प्रदेश के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में नागरिक-केंद्रित शासन के विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हस्तक्षेपों की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और केंद्र शासित प्रदेश में ऐसे प्रयासों को तेज करने के लिए मजबूत संस्थागत और तकनीकी ढांचा स्थापित करने के उपायों पर विचार किया गया। प्रतिभागियों ने इस बात पर भी चर्चा की कि उन्नत तकनीकें प्रशासनिक दक्षता, निर्णय प्रक्रिया और सरकारी सेवाओं की नागरिकों तक पहुंच को कैसे बेहतर बना सकती हैं।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता में जम्मू-कश्मीर में शासन व्यवस्था को बदलने और सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता तथा पहुंच को बेहतर बनाने की अपार क्षमता है।

लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित

नयी दिल्ली, 09 मार्च । अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के कारण पश्चिम एशिया के बिगड़े हालात पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण लोक सभा की कार्यवाही सोमवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। इसके कारण आज की कार्यसूची में होने के बावजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा नहीं हो सकी।

एक बार के स्थगन के बाद अपराह्न तीन बजे सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होते ही विपक्षी सदस्य पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा कराने की मांग को लेकर फिर से हंगामा करने लगे। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद) के सदस्य अपने-अपने स्थानों पर खड़े होकर शोरगुल करने लगे। अपनी मांगों के समर्थन में कई सदस्य तख्तियां भी लिये हुए थे। कई सदस्य सदन के बीचोबीच आकर नारेबाजी कर रहे थे। कांग्रेस के मोहम्मद जावेद ने हंगामे के बीच ही कहा कि 50 लाख से अधिक भारतीय खाड़ी देशों में

फंसे हुए हैं जो एक बहुत गंभीर मुद्दा है और इस पर तत्काल चर्चा करायी जानी चाहिए। कुछ सदस्य कह रहे थे कि पेट्रोल और डीजल का संकट शुरू हो गया है, अत- इस मुद्दे पर चर्चा कराना जरूरी है। इससे पहले इसी मांग को लेकर हंगामे के कारण दोपहर 12 बजे कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी थी। लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा आज की कार्यसूची में दर्ज थी लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही स्थगित होने से इस पर चर्चा नहीं करायी जा सकी।

सकीना इटू ने जेकेएमएससीएल के प्रदर्शन और कार्यप्रणाली की समीक्षा की

जम्मू, 9 मार्च। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री Sakeena Itoo ने आज जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद तथा आपूर्ति में कड़ी गुणवत्ता जांच और अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्री ने ये टिप्पणियां सिविल सचिवालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए की, जिसमें Jammu & Kashmir Medical Supplies Corporation Limited (JKMSCL) के प्रदर्शन और कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। बैठक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त सचिव M Raju, एनएचएम की प्रबंध निदेशक Akriti Sagar, जेकेएमएससीएल के एमडी

Tariq Hussain Ganie, Sher-i-Kashmir Institute of Medical Sciences के निदेशक प्रो. रू Ashraf Ganie, वित्त निदेशक एचएंडएमई, योजना निदेशक एचएंडएमई, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक कश्मीर/जम्मू, सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य, श्रीनगर और जम्मू के डेंटल कॉलेजों के प्राचार्य, राज्य औषधि नियंत्रक, सभी अस्पतालों के मेडिकल सुपरिटेंडेंट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि जेकेएमएससीएल सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि यह सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में दवाओं, सर्जिकल सामग्री और चिकित्सा उपकरणों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा, गुणवत्ता, पारदर्शिता या दक्षता में किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि इसका सीधा प्रभाव मरीजों की सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की विश्वसनीयता पर पड़ता है।

> **अस्पतालों में दवाओं की आपूर्ति की निरंतर निगरानी और कड़ी गुणवत्ता जांच के निर्देश**

कांग्रेस ने जम्मू में विरोध प्रदर्शन किया

जम्मू, 09 मार्च । कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई ने सोमवार को यहां अपने पार्टी मुख्यालय के बाहर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और अमेरिका के सामने घोर आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा शीघ्र बहाल करने पर भी जोर दिया। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता रेजीडेंसी रोड के किनारे शहीदी चौक पर पार्टी मुख्यालय के बाहर एकत्र हुए, लेकिन कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में तैनात पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। महिलाओं सहित कार्यकर्ता, राज्य का दर्जा बहाल करो और हमारी रियासत हमारा हक लिखी तख्तियां लिए हुए थे और मोदी सरकार और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ नारे भी लगा रहे थे। केंद्र पर तीखा हमला करते हुए कर्रा ने आरोप लगाया कि प्रधान मंत्री ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को नष्ट कर दिया और उन संस्थानों को कमजोर कर दिया जो कभी देश की विदेश नीति को परिभाषित करते थे। उन्होंने आरोप लगाया भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन और सार्क जैसे क्षेत्रीय सहयोग मंचों का चैंपियन था लेकिन आज देश की छवि खराब हो गई है। प्रधान मंत्री के आचरण ने कार्यालय के सम्मान और गरिमा को कम कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार वैश्विक शक्तियों के साथ व्यवहार में भारत के हितों से समझौता कर रही है। उन्होंने कहा कि वे इस पर भी शर्तें तय कर रहे हैं कि भारत को रूस से तेल खरीदना चाहिए या नहीं। हमारे व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा के बारे में ऐसे फैसले अन्य देशों द्वारा तय नहीं किए जा सकते। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री पर अंतरराष्ट्रीय सौदों में फ्घोर आत्मसमर्पणफ् करने का आरोप लगाया और पार्टी की मांग दोहराई कि मोदी पद छोड़ दें। कर्रा ने आरोप लगाया अमेरिका और इजराइल के पास मोदी के वीडियो हैं और वे उन्हें ब्लैकमेल कर रहे हैं। उन्होंने समझौता कर लिया है और उन्हें पद छोड़ना होगा। विरोध प्रदर्शन के दौरान, प्रदर्शनकारियों ने विरोध स्वरूप संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल के झंडों को भी आग लगा दी। कर्रा ने कहा कि पार्टी ने संसद के चालू बजट सत्र के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के सभी 20 जिलों में विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई थी, लेकिन आरोप लगाया कि पुलिस ने कश्मीर घाटी के कुछ जिलों में शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी, जबकि श्रीनगर में भी एक साथ विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था।

एयर इंडिया फ्लाइट क्रैश की जांच रिपोर्ट जल्द आएगी : नायडू

नई दिल्ली, 09 मार्च। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को राज्यसभा में बताया कि पिछले साल जून में एयर इंडिया की फ्लाइट ए आई 171 के क्रैश की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। इसकी रिपोर्ट साल पूरा होने से पहले ही जारी कर दी जाएगी।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार जांच कर रही एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो को हर तरह की जरूरी मदद दे रही है।

नायडू ने बताया कि जांच में तकनीकी पहलुओं, फ्लाइट डेटा और अन्य सबूतों का गहन विश्लेषण किया जा रहा है ताकि हादसे की असली वजह सामने लाई जा सके। उन्होंने

भरोसा दिलाया कि रिपोर्ट तैयार होते ही उसे सार्वजनिक किया जाएगा।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण उड़ानों पर पड़ने वाले असर से जुड़े सवालों के जवाब में नायडू ने कहा कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने तुरंत एयरलाइंस से संपर्क किया और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए।

उन्होंने बताया कि नियामक संस्था ने एयरलाइन अधिकारियों के साथ कई बैठकें की हैं, ताकि क्षेत्र के हवाईअड्डों के लिए उड़ानें तभी संचालित हों जब 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इसके अलावा यात्रियों में किसी तरह की भ्रम की स्थिति से बचने के लिए यात्रा परामर्श (ट्रैवल एडवाइजरी) भी जारी की गई हैं।

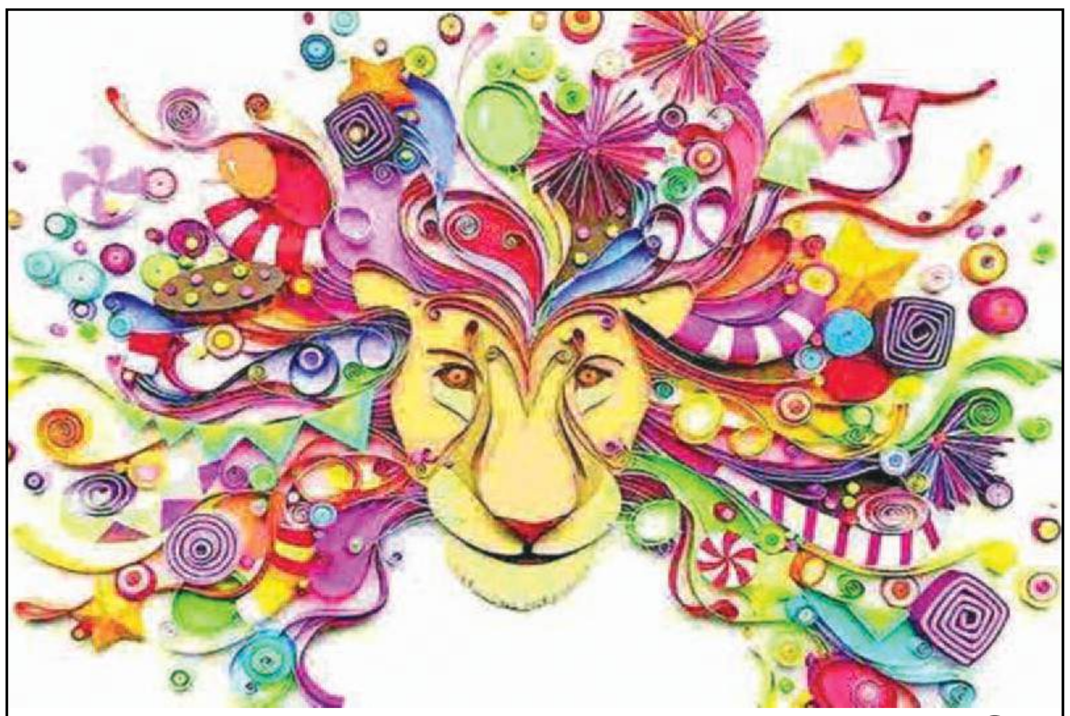

गजब का है यह पेपर आर्ट

पेपर क्विलिंग

मॉस्को की 34 साल की यूलिया ब्रोद्सकाया ने पेपर और गोंद की मदद से इन अचंभित कर देने वाली रंगीन रचनाओं को उकेरा है। इन्हें देख कर ऐसा लगता है कि ये तस्वीरें बोलती हैं। यूलिया को पेपर से बनाई जाने वाली ड्रॉइंग के साथ उनमें जान डाल देने वाले कलाकार के तौर पर भी जाना जाता है। इसे थ्रीडी ड्रॉइंग का नाम दिया जाए तो गलत नहीं होगा। यूलिया तीन स्टेप्स को फॉलो कर इन चित्रों को जीवंत रूप देती हैं। पहला स्टेप है पेपर काटना, दूसरा है फोल्ड करना और तीसरा है गोंद की मदद से फोल्ड किए हुए पेपर को किसी सतह पर चिपका एक नया रूप देना। इस आर्ट को पेपर क्विलिंग कहा जाता है।

अठारहवीं सदी में हुई थी पेपर क्विलिंग की शुरुआत

तुम्हें बता दें कि इस कला की शुरुआत अठारहवीं सदी में ही हो गई थी। दरअसल नन और भिक्षुओं द्वारा किताबों के कवर को सुंदर बनाने के लिए पेपर की सहायता से यही कलाकारी की जाती थी। तभी से यह कला प्रचलित हो गई।

यहां से मिली इस कला की प्रेरणा

यूलिया को इस कलाकारी का आइडिया तब आया, जब दस साल पहले उन्हें एक ब्रोशर में अपने नाम को अलग तरीके से लिखना था, कुछ ऐसा, जो उसकी कलाकारी को दर्शाता हो। कई वर्षों बाद उन्हें स्कूल के समय के दिनों में बनाए गए एक प्रोजेक्ट की याद आई, जिसमें उन्होंने पेपर क्विलिंग का इस्तेमाल किया था। बस फिर क्या था, उन्होंने उसी तरीके का इस्तेमाल कर ब्रोशर तैयार किया, जो लोगों को काफी पसंद आया। तभी से उन्होंने इस तकनीक का इस्तेमाल कर अलग प्रकार के चित्र बनाने शुरू किए।

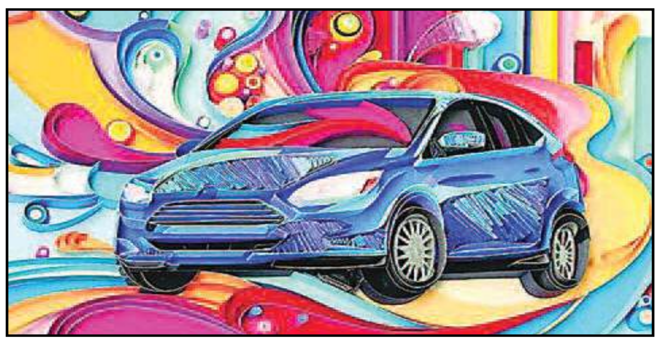

रंग बदलने में माहिर हैं ये जीव

दोस्तों, रंग बदलने वाले जीव-जंतु सबका ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। ये ऐसा क्यों और कैसे करते हैं, तुम्हें इस बार बता रहे हैं। गिरगिट के अलावा भी ऐसे बहुत से जीव हैं, जो रंग बदलने में माहिर हैं। इन जीवों में फ्लाउंडर, मिमिक ऑक्टोपस, पीकॉक फ्लाउंडर, टोन स्पाइडर, ट्री फ्रॉग, गोल्डन टॉरटॉइज बीटल और स्कविड प्रजाति की कई मछलियां हैं। रंग बदलने की क्षमता को उनकी बड़ी ताकत के रूप में देखा जाता है। इन रंगों के बल पर ये जीव खुद को छिपाने में कामयाब रहते हैं, तो वहीं शिकारी से अपनी रक्षा भी करते हैं।

ट्री फ्रॉग

इन्हें लॉफिंग ट्री फ्रॉग के नाम से भी जाना जाता है। जितने ये अपनी आवाज के लिए जाने जाते हैं, उतनी ही फुर्ती से अपने रंग बदलने के लिए भी। ये मेंढ़क भूरे, कत्थई और सफेद रंग बदलने में माहिर होते हैं। ये पीले व काले पैर और एमरेल्ड कलर के निशानों के साथ भी नजर आते हैं।

फ्लाउंडर

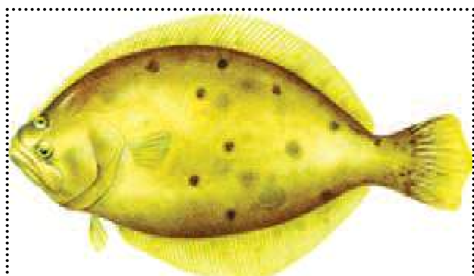

यह मछली पहली नजर में सपाट आकार की साधारण सी मछली नजर आती है, लेकिन इसमें अपने आसपास की चीजों के अनुसार अपना रंग बदलने की अद्भुत क्षमता है। इनकी ताकत बढ़ाने में इनकी आंखें भी बहुत मददगार हैं। इस प्रजाति की मछलियां वयस्क होने पर अपनी आंखें दाईं या बाईं ओर घुमा सकती हैं। इससे जमीन की सतह के साथ तैरने में इन्हें आसानी होती है। ये मछलियां समुद्र के सबसे गहरे इलाके मरियाना ट्रेंच में भी पाई गई हैं, जो कि लगभग 35,000 फीट की गहराई में है।

टोन स्पाइडर

गोल्डनरॉड क्रेब स्पाइडर सिर्फ दो रंग बदल सकता है- एक सफेद और दूसरा पीला, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह अपना शिकारी सिर्फ इस रंग के फूलों को बनाता है। इसमें खासतौर पर डेजी और सूरजमुखी शामिल हैं। इस खूबी के बल पर यह फूलों का शिकार भी कर लेता है और शिकारी चिड़ियों से भी बचा रहता है।

गिरगिट

रंग बदलने में गिरगिट का कोई सानी नहीं होता। इसकी खासियत यह होती है कि ये अपने आसपास के पर्यावरण के हिसाब से रंग बदल लेते हैं। जिस पेड़ पर जाते हैं, उसी का रंग अपना लेते हैं। यह जीव कई बार शिकारी से बचने के लिए ऐसा करता है। गिरगिट की लगभग सभी प्रजातियां रंग बदलने में माहिर होती हैं। यह लंबे समय तक बदले हुए रंग में रह सकता है। यह छिपकली के परिवार का ही सदस्य माना जाता है।

कटलफिश

प्यारे से नाम वाली ये मछलियां बहुत बुद्धिमान होती हैं। ये मछलियां लगातार एक चतुराई से शिकार करने का और दूसरे बड़े जीवों से खुद को बचाने का काम करती हैं। ये ज्यादा देर तक एक रंग में नजर नहीं आतीं और दिमाग से मिलने वाले संदेश के अनुसार लगातार अपना रंग बदलती रहती हैं। जितनी आराम से तुम सांस लेते हो, उतनी ही आसानी से ये रंग बदलती नजर आती हैं, जो देखने में बहुत रोमांचक लगता है।

अनोखा अंगूरी क्राफ्ट

दोस्तों, तुम्हें अंगूर खूब अच्छे लगते हैं न! आज हम तुम्हें अंगूर से क्राफ्ट बनाना सिखा रहे हैं। तुम्हें चाहिए कुछ अंगूर, टूथपिक।

ऐसे बनेगा

अब इस तरह से अंगूर में टूथपिक डालो और दूसरे टूथपिक से अंगूर को जोड़ते जाओ। फिर तुम्हें जो शेप चाहिए, उस तरह से बनाओ। चार अंगूरों की मदद से पहले तुम्हें बेस तैयार करना होगा। बस तुम्हें यह ध्यान रखना है कि टूथपिक से अंगूर टूट ना जाए। एक बार बनाने के बाद अब तुम इसे खा सकते हो। बड़ा मजा आएगा अगर दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर खाओगे। चाहो तो अंगूर की जगह पर डो के छोटे-छोटे टुकड़ों का भी इस्तेमाल कर सकते हो।

अंगूर खाने के फायदे

इसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है। अंगूर में सबसे अधिक पोटेशियम पाया जाता है, जो पाचन और दिल के लिए अच्छा होता है। विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत है। यह खून की कमी को भी दूर करता है।

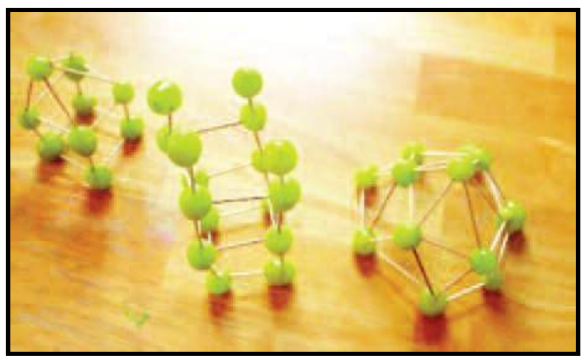

जब बच्चे बने टीचर

रोज की तरह रमा इंटरनेशनल स्कूल के बच्चे आज भी स्कूल पहुंच रहे थे, पर उनके चेहरे पर स्कूल जाने का तनाव नहीं, बल्कि अलग तरह की उत्सुकता थी। आज उनके प्रिंसिपल बेदी सर ने उन्हें पूरी छूट दी थी। एक दिन पहले उन्होंने एसेंबली में भाषण देते हुए कहा था,''कल 14 नवंबर है, यानी बाल दिवस। आप सब समझते हैं कि स्कूल में बहुत बंदिश होती है। आप अपने मन की नहीं कर सकते। पर कल आप लोगों को पूरी छूट है। न स्कूल ड्रेस का डर न टीचर्स की डांट। कल हम सब कुछ अलग करेंगे। मुझे उम्मीद है, यह अलग वाली बात आप लोगों को पसंद आएगी।''

अगले दिन सुबह सारे बच्चे एसेंबली के लिए प्लेग्राउंड में इकट्ठे होने लगे। कुछ बच्चे जो काफी अमीर थे, वे तो ब्रांडेड सामान की पूरी दुकान नजर आ रहे थे। धीरे-धीरे सारा प्लेग्राउंड बच्चों से भर गया। रंग-बिरंगी तितलियों की तरह सारे बच्चे इधर-उधर भाग रहे थे, दोस्तों से मिल रहे थे। तभी घोषणा हुई कि प्रिंसिपल बेदी सर आ रहे हैं। सारे बच्चे तुरंत अपनी-अपनी क्लास की लाइन में आकर खड़े हो गए।

बेदी सर माइक के सामने आए और बोले, ''आज का दिन आप लोगों का है, मतलब बच्चों का दिन है। आज तक आप लोग इस स्कूल में पढ़ते रहे हैं और अपने टीचर्स से आपको शिकायत भी रही होगी। चलो, आज एक नया खेल खेलते हैं। आज आप लोग टीचर बनेंगे।''

''सर, अगर हम लोग टीचर होंगे, तो बच्चे कौन बनेंगे, जिन्हें हम पढ़ाएंगे?'' एक बच्चे की आवाज आई।

बेदी सर मुस्करा दिए। फिर बोले, ''मैंने भी यही सोचा था। फिर एक आइडिया आया। आप लोग चिंता न करें। आपके स्टूडेंट थोड़ी देर में आने वाले हैं।'' जब तक बेदी सर अपनी बात पूरी करते, तब तक स्कूल की चार बसें आकर रुकीं। उनके गेट खुले, तो उनमें से कुछ बच्चे उतरने लगे। हिंदी वाले सर के साथ क्लास मॉनिटर्स आगे बढ़े। उनके हाथ में टोकरियां थीं, जिनमें गुलाब के फूल थे। सर आगे बढ़कर एक-एक करके सभी बच्चों की शर्ट पर गुलाब के फूल लगाने लगे।

स्कूल के बच्चों की नजरें इन नए बच्चों पर से हट ही नहीं रही थीं। सारे बच्चे गरीब लग रहे थे। किसी के पैर में पुराने जूते थे, तो कोई चप्पल में था। उनके कपड़े वैसे थे, जैसे वे अपने घर में भी नहीं पहनते थे। प्रिंसिपल सर बच्चों को गौर से देख रहे थे। उनके मन की बात वे समझ गए। उन्होंने बोलना शुरू किया, ''कुछ दिनों पहले मुझे एक अनाथालय में जाने का मौका मिला। वहां मैं इन बच्चों से मिला। ये वो बच्चे हैं, जिनको आप लोगों की तरह माता-पिता का प्यार नहीं मिला। इन्हें कोई सुबह स्कूल के लिए तैयार नहीं करता, कोई इनके लिए स्कूल का लंच पैक नहीं करता। ऐसा इसलिए, क्योंकि ये स्कूल नहीं जा पाते हैं और अपने आश्रम में ही आने वाले टीचर्स से पढ़ते हैं। पर इन्हें पढ़ाई में कमजोर मत समझना। इनमें से कुछ बच्चों ने मुझसे कहा कि सर हम भी देखना चाहते हैं, स्कूल कैसा होता है, और वहां पढ़ाई कैसे होती है। इसीलिए मैंने आज इन बच्चों को यहां आमंत्रित किया है। आज ये बच्चे हमारे स्टूडेंट हैं और आप लोग अपने टीचर्स के साथ मिलकर इन्हें पढ़ाएंगे ताकि स्कूल में पढ़ने का इनका सपना भी पूरा हो। मैं बस आप सबसे यही चाहता हूं कि अनाथालय से आए बच्चों को यह महसूस करा दो कि वे पराए नहीं, हमारे अपने हैं। बाल दिवस उन बच्चों के लिए भी महत्वपूर्ण है।''

इसके बाद एसेंबली खत्म हो गई और बच्चे अपनी-अपनी क्लास की ओर चले, पर उन बच्चों की कहानी सुनकर ज्यादातर बच्चों के चेहरे गंभीर हो गए थे। जब वे अपनी क्लास में पहुंचे तो उन्हें अनाथालय के बच्चे सीटों पर बैठे दिखाई दिए। ऐसी ही एक क्लास में खड़े टीचर ने कहा, ''कुछ बच्चे जो पढ़ाना चाहते हैं, वो मेरे पास आ जाएं। बाकी बच्चे इन बच्चों के साथ बैठ जाएं और पढ़ाई में सहयोग करें।''

एक-दो घंटे बाद पता ही नहीं चल रहा था कि ये बच्चे एक- दूसरे को जानते ही नहीं थे। सब एक-दूसरे से खुल गए थे। पढ़ाई में एक-दूसरे का सहयोग कर रहे थे। पता नहीं कैसे स्कूल के बच्चों के मन में यह भावना आ गई थी कि अनाथालय के बच्चों को नहीं लगना चाहिए कि वे पराए हैं। लंच टाइम में स्कूल की तरफ से अनाथालय से आए बच्चों के लिए लंच आया, पर स्कूल के बच्चों ने अपना टिफिन भी उन बच्चों के साथ शेयर किया। ऐसे ही हंसते-खेलते स्कूल का टाइम बीता और छुट्टी का समय आ गया। बच्चों को आदेश था कि छुट्टी से पहले फिर से सब प्लेग्राउंड में इकट्ठे होंगे।

इस बार प्लेग्राउंड में सारे बच्चे एक साथ आए। स्कूल के बच्चे यह देखकर चौंक गए कि उनके माता-पिता को भी प्रिंसिपल सर ने बुला रखा था।

सर ने बच्चों को देखकर पूछा, ''बोलो बच्चो, आज का दिन कैसा लगा?''

''बहुत बढ़िया सर। इन बच्चों के साथ बहुत मजा आया।'' राघव जो एक बहुत बड़े बिजनेसमैन का बेटा था, वह आगे बढ़कर बोला।

''और आप लोगों को कैसा लगा हमारा स्कूल?''अब सर ने अनाथालय से आए बच्चों से पूछा।

''सर हमारा सपना पूरा हो गया। स्कूल में पढ़ने में बड़ा मजा आया। काश! हम रोज ऐसे पढ़ पाते।''कहते-कहते अनाथालय से आया अमित रो पड़ा।

''तुम्हारा सपना जरूर पूरा होगा।'' मुस्कराते हुए प्रिंसिपल सर बोले, ''मैंने अपने मैनेजमेंट से बात कर ली है। अब से हमारे स्कूल में दोपहर बाद भी आप लोगों के लिए अलग से स्पेशल क्लास हुआ करेगी। आप लोग यहां पढ़ेंगे और आगे बढ़ेंगे।''

''हुर्रे।'' राघव खुशी से चिल्ला पड़ा। वह भूल गया कि वह स्कूल में, और वह भी प्रिंसिपल सर के सामने है।

सारा मैदान प्रिंसिपल सर की घोषणा के बाद तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सारे बच्चे अपने माता-पिता के पास गए और उनसे कुछ बात करने लगे। उनकी बात सुनकर वे मुस्काए और उनका सिर हां में हिलने लगा। बस फिर क्या था! देखते ही देखते मैदान में अजीब सा नजारा दिखाई देने लगा। स्कूल के लड़कों में से किसी ने अपनी शर्ट उतारी, तो किसी ने अपनी टी-शर्ट, उन्होंने अपनी शर्ट और टीशर्ट अनाथालय से आए बच्चों को जबरदस्ती पहना दी। यह सारा नजारा देखकर उनके माता-पिता भी मुस्काए बिना न रह सके। प्रिंसिपल सर के चेहरे पर भी संतोष की मुस्कान थी। बाल दिवस पर जो बात वह अपने बच्चों को सिखाना चाहते थे, वह उन्होंने अच्छे से सीख ली थी।

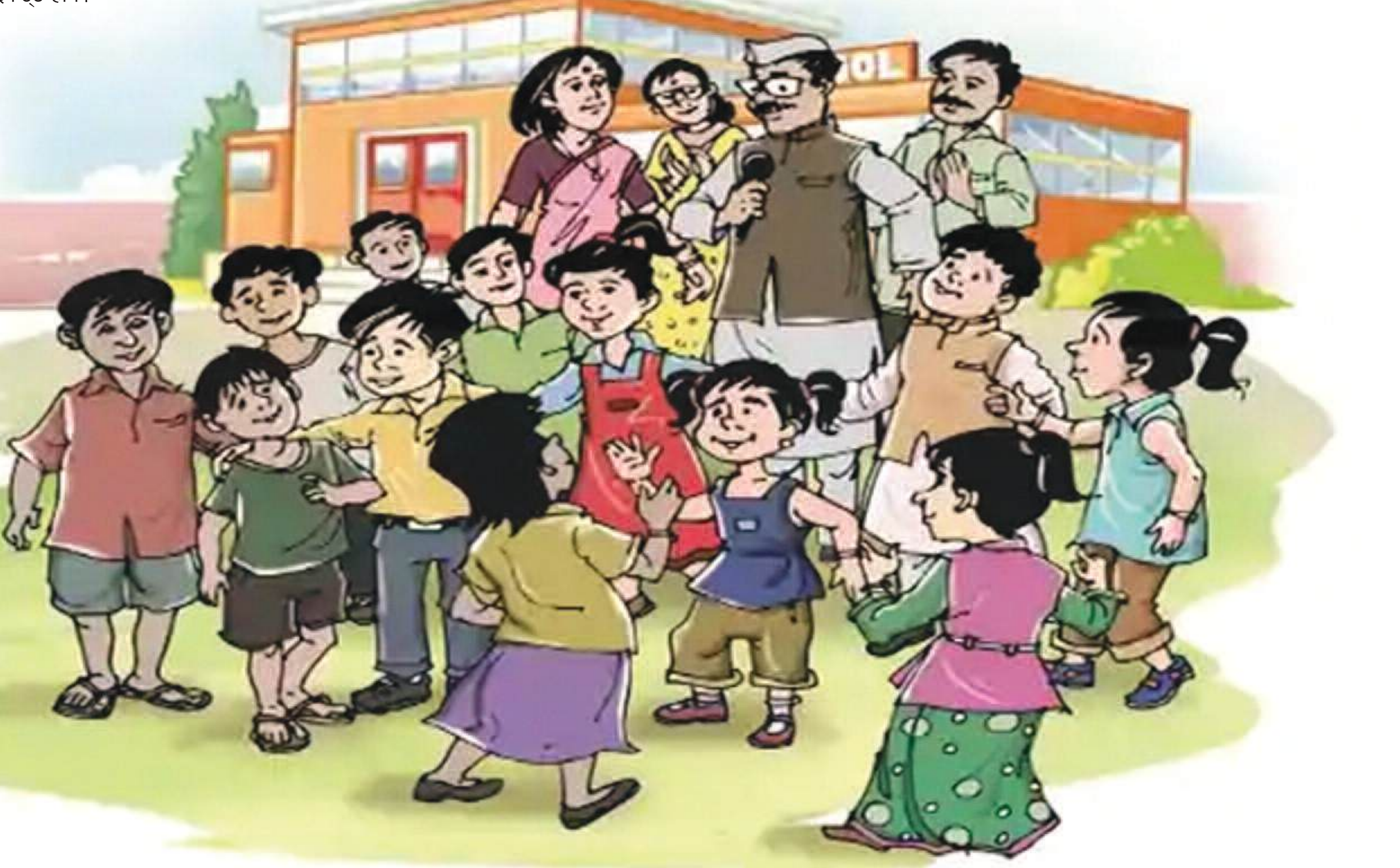

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जीजीएम साइंस कॉलेज में विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन

जम्मू, 09 मार्च (हि.स.)। जम्मू स्थित जीजीएम साइंस कॉलेज के एनएसएस यूनिट्स द्वारा चल रहे विंटर कैंप के अंतर्गत विभिन्न रचनात्मक और जागरूकता आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता, स्लोगन एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता तथा बुजुर्गों की देखभाल और सम्मान विषय पर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वीडियो मेकिंग प्रतियोगिता महिलाएं जो आपको प्रेरित करती हैं विषय पर आयोजित की गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने ऐसे प्रेरणादायक महिलाओं पर लघु वीडियो तैयार किए जिन्होंने अपने संघर्ष, समर्पण और उपलब्धियों के माध्यम से उनके जीवन को प्रभावित किया है। इस गतिविधि ने छात्रों को प्रेरक कहानियां साझा करने और समाज में महिलाओं की भूमिका पर विचार करने का अवसर प्रदान किया। इसके साथ ही महिला दिवस के अवसर पर स्लोगन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से सशक्त और प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में सेमेस्टर-2 की साक्षी ने प्रथम, रिधिमा ने द्वितीय और शालिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रो. पूनम कुंदन, प्रो. मुजफ्फर शेख और प्रो. शेराज कौसर ने किया। विंटर कैंप के तहत बुजुर्गों की देखभाल और सम्मान विषय पर भी विशेष जागरूकता पहल की गई। इसके माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज में बुजुर्गों के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थी जल्द ही एक वृद्धाश्रम का दौरा कर वहां के निवासियों से संवाद करेंगे। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) रोमेश कुमार गुप्ता ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को समाज में महिलाओं और बुजुर्गों के अमूल्य योगदान को समझने और उनसे सीखने की प्रेरणा देते हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप जीत पर कठुआ में जश्न, शहीदी चैक पर युवाओं ने आतिशबाजी कर मनाई खुशी

कठुआ, 09 मार्च (हि.स.)। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की शानदार जीत के बाद कठुआ में जश्न का माहौल देखने को मिला। शहर के प्रसिद्ध शहीदी चैक पर युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जहां सभी ने मिलकर मैच का भरपूर लुत्फ उठाया और भारत की जीत का जोरदार जश्न मनाया। जैसे ही भारत की जीत की खबर आई, पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। उत्साहित युवाओं ने तिरंगा हाथ में लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे लगाए। इस दौरान शहीदी चैक पर जमकर आतिशबाजी की गई, जिससे पूरा माहौल देशभक्ति के रंग में रंग गया। जश्न में सिर्फ युवा ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे बच्चे भी पीछे नहीं रहे। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी तिरंगा लेकर खुशी जाहिर की और युवाओं के साथ मिलकर ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया। चारों ओर देशभक्ति के गीतों और नारों से माहौल गूंज उठा। लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर और गले मिलकर इस ऐतिहासिक जीत की खुशी साझा की। भारत की इस शानदार जीत ने कठुआ के लोगों में नया जोश भर दिया और देर रात तक शहीदी चैक पर जश्न का सिलसिला जारी रहा।

जीडीसी हीरानगर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर 15 दिवसीय गतिविधियों का आयोजन

हीरानगर, 09 मार्च (हि.स.)। हीरानगर के जीएलडीएम गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में इको क्लब और इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में 15 दिनों तक विभिन्न पर्यावरणीय गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और रचनात्मकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

इस दौरान बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट गतिविधि के तहत छात्रों ने बेकार पड़े तेल के गैलनों से आकर्षक और पर्यावरण अनुकूल प्लांटर तैयार किए, जिससे पुनर्चक्रण और कचरे के सही उपयोग का संदेश दिया गया। इसके अलावा छात्रों ने कॉलेज परिसर की दीवारों पर पर्यावरण संरक्षण से जुड़े सुंदर और रचनात्मक चित्र बनाकर परिसर को आकर्षक बनाया। कार्यक्रम के तहत वसंत ऋतु के अवसर पर पौधारोपण अभियान भी चलाया गया, जिसमें छात्रों ने कॉलेज

परिसर में पौधे लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प लिया। यह पूरा कार्यक्रम कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. प्रज्ञा खन्ना के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उन्होंने इको क्लब और आईआईसी की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम का आयोजन इको क्लब की संयोजक प्रोफेसर नीरू शर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान डॉ. अनुपमा अरोड़ा, प्रो. राकेश शर्मा और डॉ. निशु सहित अन्य शिक्षकों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों में पर्यावरण संरक्षण, कचरा प्रबंधन और सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया।

एसीबी ने रियासी में 5,000 रुपये रिश्वत मामले में हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार किया

जम्मू 09 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को रियासी जिले के तलवारा पुलिस चौकी में तैनात एक हेड कांस्टेबल को एक मामले में शिकायतकर्ता से 5,000 रुपये रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार किया। एसीबी ने लोक सेवक हेड कांस्टेबल परवेज़ अहमद भाटी पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद दीन निवासी ग्राम मंधार तहसील हवेली, जिला पुंछ जो वर्तमान में रियासी के तलवारा पुलिस चौकी में तैनात है के खिलाफ एफआईआर संख्या 05/2026 धारा 07 के तहत मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता से अवैध रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। बयान में कहा गया है कि आरोपी लोक सेवक ने शिकायतकर्ता से उसके खिलाफ तलवारा पुलिस चौकी में दर्ज मामले में कानून की कुछ धाराओं को हटाकर जांच की दिशा में हेरफेर करने के लिए रिश्वत की मांग की थी। बयान में कहा गया है कि शिकायतकर्ता रिश्वत देने से इनकार कर रहा था इसलिए उसने कानून के अनुसार आरोपी लोक सेवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने हेतु भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) से संपर्क किया।

शिकायत प्राप्त होने पर गोपनीय सत्यापन किया गया जिससे संबंधित लोक सेवक द्वारा रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई और तदनुसार पुलिस स्टेशन एसीबी उधमपुर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत एफआईआर संख्या 05/2026 दर्ज की गई और जांच शुरू की गई। जांच के दौरान डिप्टी एसपी रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में एक ट्रैप टीम का गठन किया गया। टीम ने सफलतापूर्वक जाल बिछाया और स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में आरोपी लोक सेवक को शिकायतकर्ता से 5000 की रिश्वत मांगते और लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

एसीबी टीम ने विधिवत प्रक्रिया का पालन करते हुए आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। ट्रैप टीम से जुड़े स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में आरोपी के पास से रिश्वत की रकम भी बरामद की गई। इसके अलावा मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में तलवारा स्थित आरोपी के आवासीय क्वार्टर में भी तलाशी ली गई। इस मामले की आगे की जांच जारी है।

रिंग रोड पर सड़क हादसा, 3 घायलों में एक की मौत

जम्मू, 09 मार्च (हि.स.)। जम्मू के मीरां साहिब क्षेत्र में रिंग रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। जानकारी के अनुसार एक डंपर ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे 3 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत उपचार के लिए जीएमसी लाया गया जहां एक युवक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान आरिफ (18) पुत्र धनिया निवासी मीरां साहिब, जम्मू के रूप में हुई है। वहीं हादसे में घायल पंकज (22) पुत्र अक्षय कुमार निवासी नगरोटा और गफूर (20) पुत्र मोहम्मद बशीर निवासी नगरोटा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

गुरु नाभादास मंदिर का 25वां स्थापना दिवस श्रद्धा व भक्ति के साथ संपन्न

जम्मू, 09 मार्च। गोस्वामी संत गुरु नाभादास मंदिर, पक्का तालाब, बाहु फोर्ट, जम्मू में मंदिर का 25वां स्थापना दिवस श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रातः काल से ही हवन एवं सत्संग का आयोजन किया गया, जिसके उपरांत संत दिनेश जी महाराज ने संतवाणी की अमृत वर्षा कर श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक संदेश प्रदान किया।

इस पावन अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री एवं रामगढ़ विधानसभा के विधायक डॉ. दविंदर कुमार मन्याल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजीव चाढ़क, श्री संसार कालोत्रा (अध्यक्ष – गोस्वामी गुरु नाभा दास समाज कल्याण परिषद) सहित उनकी टीम कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रही।

कार्यक्रम का आयोजन गोस्वामी गुरु नाभा दास मंदिर समिति, पक्का तालाब, बाहु फोर्ट, जम्मू द्वारा किया गया। इस आयोजन में श्री जोगिंदर पाल, श्री हरीश बलगोत्रा, श्री अजीत राज, श्री अशोक कुमार, श्री नारायण बलगोत्रा, श्री दीप कुमार, श्री सुभाष, श्री सोनू तथा श्री राहुल बलगोत्रा का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर बोलते हुए भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री राजीव चाढ़क ने कहा कि गोस्वामी गुरु नाभा दास मंदिर समिति का समाज एवं धर्म के प्रति समर्पण और सेवा भाव अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि समिति पिछले 25 वर्षों से गुरु प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज में आस्था और एकता का संदेश दे रही है।

उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की एकजुटता और समरसता के लिए जात-पात की मलिन एवं रूढ़िवादी सोच को त्यागने का समय आ गया है। उन्होंने संदेश दिया —

हिंदू हिंदू भाई-भाई, जात-पात की करो विदाई।

उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा के सभी संतों ने समाज की एकता और उत्थान के लिए अपने ऐश्वर्य का त्याग कर समाज को सही दिशा प्रदान की है। कोई भी संत बड़ा या छोटा नहीं होता, सभी संत समाज के मार्गदर्शक होते हैं।

इस अवसर पर विधायक डॉ. दविंदर कुमार मन्याल ने कहा कि आप सभी सामाजिक महानुभावों के प्रयासों से समाज में एकता, सेवा और धार्मिक आस्था को नई दिशा मिल रही है। उन्होंने सभी को इस पुनीत कार्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि आज गरीब एवं पिछड़े वर्गों में धर्मांतरण के प्रयास चिंता का विषय हैं। उन्होंने कहा कि हम भगवान श्रीराम के अनुयायी और सनातन संस्कृति के देवी-देवताओं के वंशज हैं। हम सभी धर्मों का आदर करते हैं, लेकिन अपने धर्म के लोगों का धर्मांतरण स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि गरीब बस्तियों में छोटे-छोटे लालच देकर लोगों का धर्मांतरण करना गंभीर अपराध है। समाज को इस विषय में जागरूक रहना चाहिए और जो लोग दूसरे धर्म की ओर जा रहे हैं, उन्हें समझाने का प्रयास करना चाहिए।

सिविल डिफेंस का 5 दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

जम्मू, 09 मार्च (हि.स.)। आपदा से निपटने के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रक्षा मंत्रालय की पहल के तहत सिविल डिफेंस जम्मू ने गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कुंजवानी, जम्मू में पांच दिवसीय बेसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कॉलेज के एनएसएस के लगभग 100 छात्र भाग ले रहे हैं। यह कार्यक्रम सिविल डिफेंस जम्मू के डिप्टी कंट्रोलर डीएसपी जिया-उल-हक के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है जबकि इसके समन्वय में डिप्टी चीफ वार्डन सिविल डिफेंस आर. विजय मगोत्रा सहयोग कर रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को फर्स्ट एड, आग से बचाव और नियंत्रण, सांप के काटने, चोकिंग जैसी आपात स्थितियों से निपटने के साथ-साथ अन्य बुनियादी जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों तथा हवाई हमलों जैसी आपात परिस्थितियों में बचाव के तरीकों के बारे में भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर डिप्टी कंट्रोलर सिविल डिफेंस डीएसपी जिया-उल-हक ने सिविल डिफेंस की भूमिका और इस प्रकार के प्रशिक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आपदा प्रबंधन और तैयारी अत्यंत महत्वपूर्ण है

जीसीडब्ल्यू गांधी नगर के छात्रों ने वृद्धाश्रम अम्फल्ला में प्रस्तुत किया सांस्कृतिक कार्यक्रम

जम्मू, 09 मार्च (हि.स.)। जम्मू स्थित गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वूमेन, गांधी नगर के होम साइंस विभाग के छात्रों ने अम्फल्ला स्थित वृद्ध आश्रम का दौरा कर वहाँ रह रहे बुजुर्ग निवासियों के लिए एक भावनात्मक और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर छात्रों ने गीत, नृत्य और नाटिकाओं के माध्यम से मनोरंजक प्रस्तुतियाँ दीं जिससे आश्रम में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने आश्रम के बुजुर्गों को काफी प्रभावित किया और उनके चेहरों पर मुस्कान देखने को मिली। आश्रम के निवासियों ने भी पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया जिससे यह आयोजन सभी के लिए यादगार बन गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अलावा छात्रों ने आश्रम के निवासियों के साथ आत्मीय संवाद भी किया। इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों के जीवन अनुभवों को सुना और उनके सामने आने वाली समस्याओं तथा चुनौतियों के बारे में चर्चा की। यह संवाद छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण सीख साबित हुआ और उन्हें वृद्धावस्था के भावनात्मक एवं सामाजिक पहलुओं को समझने का अवसर मिला।

यह कार्यक्रम डॉ. अर्चना भट्ट, डॉ. पी. रेखी और डॉ. अर्पणा लांगेह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया जिसमें कॉलेज के लगभग 30 छात्र शामिल हुए। आश्रम प्रबंधन की ओर से अध्यक्ष पंकज गुप्ता, सचिव डॉ. दिनेश गुप्ता, संयुक्त सचिव विजय गुप्ता तथा प्रबंधन समिति के सदस्य सतपाल शर्मा और राजिंदर सिंह ने छात्रों और संकाय सदस्यों का स्वागत किया। आश्रम प्रबंधन ने कॉलेज की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बुजुर्गों के जीवन में खुशियाँ लाने के साथ-साथ नई और पुरानी पीढ़ी के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रमज़ान के मद्देनज़र एआईपीडब्ल्यूएस प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त डोडा से की मुलाकात, जनसमस्याएं उठाईं

आमिर इक़बाल ख़ान

भद्रवाह, 9 मार्च। ऑल इंडिया पीपुल्स वेलफेयर सोसायटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को नवनियुक्त उपायुक्त डोडा कृष्ण लाल से मुलाकात कर जिले से जुड़े विभिन्न जनहित के मुद्दों को उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने विशेष रूप से पवित्र माह रमज़ान के दौरान आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता तथा आगामी ईद-उल-फितर पर्व की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संगठन के प्रदेश अध्यक्ष ज़फ्फर हुसैन वानी ने किया। इस दौरान प्रदेश महासचिव उमर फारूक तक, प्रबंधक आयोजक अनिकेत शर्मा, कोषाध्यक्ष मोहम्मद सलीम बट तथा अनुसूचित जनजाति अध्यक्ष बद्री नाथ भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त का स्वागत करते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आम लोगों से जुड़ी कई समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। प्रतिनिधियों ने कहा कि पवित्र रमज़ान के महीने और आगामी ईद-उल-फितर को देखते हुए लोगों को

किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए उन्होंने विशेष रूप से राशन, पेयजल और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं की नियमित उपलब्धता पर बल दिया, ताकि रमज़ान के दौरान लोगों को किसी तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़े। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने यह भी कहा कि संगठन युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार सक्रिय है और जिले के समग्र विकास व प्रगति के लिए रचनात्मक सुझाव देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बलवंत ठाकुर का नाटक 'नशे की आग', ड्रग्स के बढ़ते खतरे पर दिया सशक्त संदेश

जम्मू, 09 मार्च (हि.स.)। जम्मू के रानी पार्क में बलवंत ठाकुर द्वारा लिखित हिंदी नाटक 'नशे की आग' का मंचन किया गया। इस नाटक का निर्देशन नीरज कांत ने किया और इसे जम्मू-कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी द्वारा चलाए जा रहे एंटी ड्रग अभियान के तहत प्रस्तुत किया गया। नाटक में दिखाया गया कि किस तरह नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज और विशेष रूप से युवाओं की पीढ़ी को बर्बाद कर रही है तथा यह समस्या धीरे-धीरे देश के विकास के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है। नाटक की विशेषता यह रही कि इसमें किसी एक कहानी के बजाय कई अलग-अलग घटनाओं को एक ही विषय के अंतर्गत पिरोया गया, जो नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से उजागर करती हैं।

एक दृश्य में दिखाया गया कि स्कूल से कॉलेज में प्रवेश करने वाला एक युवक अच्छे साथ की तलाश में संघर्ष करता है। नशा न करने के कारण वह अपने साथियों से अलग-थलग पड़ जाता है और स्वयं को साबित करने के लिए नशे की दुनिया में कदम रख देता है। वहीं एक अन्य दृश्य में ग्रामीण परिवेश को दर्शाया गया है जहाँ शराब की लत के कारण गरीबी, घरेलू हिंसा और बीमारियों जैसी समस्याएँ बढ़ती दिखाई देती हैं।

नाटक के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से यह दर्शाया गया कि किस प्रकार नशा करने वाले लोग न केवल अपना बल्कि अपने परिवार और समाज का जीवन भी प्रभावित करते हैं। इस प्रस्तुति के जरिए समाज से अपील की गई कि नशे की इस बढ़ती आग को रोकने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। नाटक में नीरज कांत, विशाल शर्मा, कुशल भट्ट, कार्तिक कुमार, अर्जुन शर्मा, आदेश धर, लोविश और कन्नप्रीत कौर ने अपने प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा।

पूर्व केंद्रीय अर्धसैनिक बल कल्याण संघ ने उठाए पेंशन और अधिकारों से जुड़े मुद्दे

जम्मू, 09 मार्च (हि.स.)। पूर्व केंद्रीय अर्धसैनिक बल कल्याण संघ, जम्मू-कश्मीर (यूटी) ने सेवानिवृत्त अर्धसैनिक कर्मियों के कल्याण और अधिकारों से जुड़े कई लंबित मुद्दों को लेकर संबंधित अधिकारियों से जल्द समाधान की मांग की है। इस संबंध में संघ ने 8वें वेतन आयोग, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को अलग-अलग ज्ञापन भेजे हैं। संघ ने 8वें वेतन आयोग की अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई को भेजे अपने पत्र में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों और सेना के बीच पेंशन में मौजूद असमानता को दूर करने की मांग की। संघ का कहना है कि दोनों ही बल समान समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ देश की सेवा करते हैं, इसलिए पेंशन और अन्य लाभों में समानता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

इसके अलावा संघ ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से जम्मू-कश्मीर में सेवानिवृत्त अर्धसैनिक कर्मियों को एक्स-सर्विसमैन का दर्जा देने की भी मांग की। संघ के सदस्यों ने बताया कि केरल, उत्तराखंड और हरियाणा जैसे राज्यों में यह व्यवस्था पहले से लागू है और जम्मू-कश्मीर में भी इसे लागू किया जाना चाहिए।

उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि इस मामले से संबंधित फाइल जो वर्तमान में गृह विभाग के पास लंबित है को जल्द निपटाया जाए। संघ ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भेजे एक अन्य ज्ञापन में सेवानिवृत्त अर्धसैनिक कर्मियों के लिए शराब लाइसेंस लेने पर लगाए गए सुरक्षा जमा (सिक्योरिटी डिपॉजिट) की अनिवार्यता को समाप्त करने की मांग की। संघ का कहना है कि यह शर्त सेना के पूर्व सैनिकों पर लागू नहीं है इसलिए समानता सुनिश्चित करने के लिए इस आदेश को वापस लिया जाना चाहिए। इस बीच संघ की ओर से पूर्व अर्धसैनिक कर्मियों की वीर नारियों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

मुख्य संरक्षक हरिंदर महाजन की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में वीर नारियों को सम्मानित किया गया और उनके परिवारों द्वारा राष्ट्र सेवा में दिए गए बलिदान को याद किया गया। इस अवसर पर डी.के. चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कर्मचारियों के लंबित 18 माह के महंगाई भत्ता (डीए) एरियर जारी करने और 8वें वेतन आयोग के लागू होने तक 7वें वेतन आयोग के 50 प्रतिशत डीए को मूल वेतन में विलय करने की भी मांग की।

संपादकीय

सड़कों पर अनुशासन का समय

यह सर्वविदित तथ्य है कि बुनियादी ढांचे में सुधार के बावजूद जम्मू-कश्मीर में सड़क दुर्घटनाएँ चिंताजनक बनी हुई हैं। लगभग सभी क्षेत्रों में यह समस्या समान गंभीरता के साथ सामने आ रही है। इसमें कोई संदेह नहीं कि यातायात प्राधिकरण सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए काफ़ी प्रयास कर रहे हैं। हर वर्ष जनवरी में मनाया जाने वाला रोड सेफ्टी मंथ इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

यह भी स्वीकार करना होगा कि रोड सेफ्टी मंथ के दौरान किए जाने वाले कार्यक्रमों से यात्रियों, विशेषकर युवाओं, में जागरूकता का स्तर बढ़ता है। लेकिन इसके बावजूद जम्मू-कश्मीर में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति बेहद चिंताजनक है और शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब किसी दुर्घटना की खबर न आए या किसी की जान सड़कों पर न जाए।

इसी संदर्भ में मोटर वाहन विभाग (एमवीडी) द्वारा जम्मू संभाग में मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के अनुपालन को सुनिश्चित करने और समग्र सड़क सुरक्षा को बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाना निश्चित रूप से सराहनीय कदम है। केवल समझाइश से अधिक प्रभाव दंडात्मक कार्रवाई और भारी जुर्माने से पड़ता है।

रिपोर्टों के अनुसार, परिवहन आयुक्त जम्मू-कश्मीर के निर्देश पर जम्मू, उधमपुर, सांबा, रियासी, राजौरी, पुंछ, रामबन, किश्तवाड़ और डोडा जिलों में व्यापक अभियान चलाया गया। इस दौरान रणनीतिक स्थानों पर कुल 24 नाके स्थापित किए गए, जहां 2494 वाहनों की जांच की गई।

अभियान के दौरान मोटर वाहन अधिनियम के उल्लंघन पर 445 चालान जारी किए गए और गंभीर उल्लंघनों के लिए 60 वाहनों को जब्त किया गया। इसके अलावा, सड़क सुरक्षा को प्रभावित करने वाले गंभीर मामलों में 64 ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) और 20 पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) को निलंबित करने की सिफारिश की गई। इस अभियान के दौरान कुल 18.18 लाख रुपये का चालान वसूला गया।

जिला-वार कार्रवाई में कई गंभीर उल्लंघन सामने आए, जिनमें ओवरलोडिंग, वैध दस्तावेजों के बिना वाहन चलाना, परमिट नियमों का उल्लंघन, तेज गति और खतरनाक ड्राइविंग शामिल हैं। इन तथ्यों को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि प्रवर्तन एजेंसियों के सभी विभाग सतर्क रहें और हर प्रकार के यातायात उल्लंघन को रोकने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करें।

लापरवाह ड्राइविंग से होने वाले नुकसान को देखते हुए यह समय की मांग है कि संबंधित प्राधिकरण ऐसी व्यवस्था बनाएँ, जिसमें इस प्रकार की जांच और निगरानी पूरे दिन, पूरे सप्ताह और पूरे साल लगातार चलती रहे। तभी जम्मू-कश्मीर में लापरवाही से वाहन चलाना लगभग असंभव बनाया जा सकेगा। इससे कम किसी भी उपाय से समस्या का समाधान नहीं होगा, इसलिए इस दिशा में ठोस कदम जल्द से जल्द उठाए जाने चाहिए।

पुस्तक समीक्षा: महापुरुषों का योग अर्थात महात्मा गांधी

मुकुंद

लेखक द्वय चित्रा वर्मा व मदन मोहन वर्मा की किताब गांधी जरूरी हैं बाजार में आई है। बकौल मदन मोहन वर्मा यह किताब लगभग चार दशक से ज्यादा के सतत अध्ययन के बाद तैयार हो पाई। उन्हें देरी का कोई अफसोस नहीं। वह कहते हैं, गांधी को समझना आसान नहीं। इसके लिए 132 ग्रंथों को पढ़ना पड़ा। तब समझ में आया-महापुरुषों का योग अर्थात महात्मा गांधी। मोहन मदन वर्मा भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में हैं। चित्रा उनकी पत्नी हैं। ख्यातिलब्ध कवि केदारनाथ अग्रवाल के समग्र संग्रह को संग्रहित करने वाले साहित्यकार गोपाल गोयल कहते हैं-गांधी जरूरी हैं, अनूठी कृति है। यह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन की विस्तृत कहानी को चलचित्र की तरह जीवंत करती है। लेखक द्वय ने महात्मा गांधी के समर्पण और संघर्ष को गहराई से प्रस्तुत करते हुए उनके बारे में उठी नकारात्मक धारणाओं को चुनौती दी है। वह कहते हैं- मदन वर्मा देश सेवा में अपने अनुभवों और गांधीजी के सिद्धांतों को अपनाकर महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

इस पुस्तक में गांधीजी के जीवन दर्शन के मूल तत्व - सत्य, अहिंसा, निर्भीकता और सत्याग्रह को रेखांकित करने का प्रयास किया गया है। यह किताब भौतिक निर्भरता के बजाय नैतिक उत्थान, सादा जीवन और उच्च विचार पर जोर देती है। गांधीजी के विचार शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण होना चाहिए, न कि केवल अक्षर ज्ञान, पर वृहद दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है। गांधी के स्वराज को सच्चे स्वराज का अर्थ स्व-शासन बताया गया है। बापू की यह धारणा अंग्रेजी प्रणाली का अंधानुकरण नहीं करने का संदेश देती है। यह पुस्तक यह स्थापित करती है कि 21वीं सदी की संकटग्रस्त दुनिया में गांधीवादी विचार प्रकाश स्तंभ की तरह अनिवार्य हैं। आमुख समेत 254 पृष्ठों में गुंथी इस पुस्तक में लेखक द्वय का आह्वान है- गांधी से हम जितनी दोस्ती करेंगे, उतने ही अच्छे इंसान बनेंगे। प्रस्तावना के दो शब्द में कहा गया है- महात्मा गांधी ने स्वतंत्र भारत का आरम्भ तो देखा परन्तु आजादी के बाद के भारत और उसका विकास, समृद्धि, असमानता व वर्णित समस्याओं को वे नहीं देख सके। ...गांधी जी के जीवनकाल में जो समस्याएं थीं, वह आज भी भारत सहित मौजूदा विश्व में कायम ही नहीं बल्कि कई गुना बढ़ी हुई हैं और जटिल रूप ले ली हैं। ऐसे समय में हमें यह देखना जरूरी है कि गांधी के दिखाए मार्ग में इन समस्याओं का कोई समाधान है या नहीं। प्रासंगिक संदर्भ में गांधीजी के बारे में विश्व विख्यात वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा है कि आने वाली पीढ़ियां यह विश्वास करेंगी ही नहीं कि हाड़-मांस का ऐसा कोई व्यक्ति इस धरती पर चला था। सर्व सेवा संघ (अखिल भारतीय सर्वोदय मंडल) सेवाग्राम (वर्धा) के अध्यक्ष चंदन पाल प्रस्तावना के मध्यम में यह टिप्पणी करते हैं कि मदन वर्मा ने गांधी जी के तीन बंदरों सहित 11 मूर्तियां स्थापित की हैं।

हरिजन सेवक संघ दिल्ली की केंद्रीय कमेटी के सदस्य और पद्मश्री से अलंकृत उमाशंकर पाण्डेय का नोट है कि यह कृति न केवल पठनीय है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। लेखक द्वय अपनी बात बिना लाग लपेट कर रखते हैं। उन्होंने लिखा- हम कोई लेखक नहीं हैं, विगत जीवन के अनुभव और गांधी जी पर पढ़ी पुस्तकों के सकारात्मक पहलू प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक का पहला संस्करण दो अक्टूबर 2025 को छपकर आया है। लगभग किताबों की बिक्री हो चुकी है। वर्मा दंपति द्वितीय संस्करण लाने की तैयारी कर रहा है। इस किताब में 32 अध्याय हैं। इनमें गांधी की विराटता की झलक देखने को मिलती है। इनमें उल्लेख किया गया है कि दुनिया के 100 से अधिक देशों में उनके नाम पर सड़कें और प्रतिमाएं बनी हुई हैं।

एक आदमी की सेना, गुरुदेव और गांधी, राष्ट्रपिता, वस्त्रों का त्याग, गांधी और आम्बेडकर, गांधी और भगत सिंह, बनारस में गांधी, धन और श्रम का महत्व, वसुधैव कुटुम्बकम, न्याय और वकालत, निर्लिप्त गांधी, कोई पराया नहीं, मार्मिक प्रसंग, आश्रम, गांधी: हिन्दू - मुस्लिम, शराबबंदी और गांधी, अनुकरणीय व रोचक प्रसंग, गांधी ने मुसलमानों को पाकिस्तान नहीं जाने दिया, अहिंसा, क्षमा, देश की आजादी में बापू का योगदान, गांधी और जेल, आदर्श कैदी, गांधी और सुभाष, उपवास, गांधी और 55 करोड़, मजबूरी का नाम महात्मा गांधी!, जलियांवाला बाग, देश विभाजन और गांधी, ओआखली, दिल्ली अनशन और महापुरुषों का योग-इस किताब के अध्याय हैं। इनकी हर लाइन में गांधी के आदर्श समाए हैं। माउंटबेटन का गांधी जी को वन मैन आर्मी (एक आदमी की सेना) कहना को पहले अध्याय में रोचक और विस्तार से बताया गया है। गांधी के महत्व को अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के इन शब्दों में समझा जा सकता है-यदि गांधी जी डेढ़ सौ साल पहले नहीं होते तो और उन्होंने वर्ण और वंश के खिलाफ आवाज नहीं बुलंद की होती तो अमेरिका का बराक ओबामा राष्ट्राध्यक्ष नहीं होता। इस किताब में बड़ी बात यह है कि कबीरदास की जीविका का साधन चरखा था और गांधीजी ने चरखे को पूरे देश की जीविका का साधन बना दिया।

पुस्तक का नाम: %गांधी जरूरी हैं

लेखक: चित्रा वर्मा व मदन मोहन वर्मा

मूल्य: 269

प्रकाशन: इंडी प्रेस, बेंगलुरू

आईएसबीएन: 978-93-7197-598-8

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

हरिजन सेवक संघ दिल्ली की केंद्रीय कमेटी के सदस्य और पद्मश्री से अलंकृत उमाशंकर पाण्डेय का नोट है कि यह कृति न केवल पठनीय है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। लेखक द्वय अपनी बात बिना लाग लपेट कर रखते है। उन्होंने लिखा- हम कोई लेखक नहीं हैं, विगत जीवन के अनुभव और गांधी जी पर पढ़ी पुस्तकों के सकारात्मक पहलू प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक का पहला संस्करण दो अक्टूबर 2025 को छपकर आया है। लगभग किताबों की बिक्री हो चुकी है। वर्मा दंपति द्वितीय संस्करण लाने की तैयारी कर रहा है। इस किताब में 32 अध्याय हैं। इनमें गांधी की विराटता की झलक देखने को मिलती है।

हिमाचल प्रदेश में भुला दिया गया खरपतवार उन्मूलन

कुलभूषण उपमन्यु

हिमाचल प्रदेश की 80-85% आबादी कृषि से जुड़ी है। खेती की जोत बहुत छोटी होने के कारण पशुपालन और दस्तकारी प्राचीनकाल से लोगों की जीविका का आधार रहा है। पिछले कुछ दशकों से पशुपालन सरकार और वन विभाग की गलत नीतियों के चलते लगातार यह क्षेत्र अनदेखी का शिकार हो रहा है। परिणाम स्वरूप बहुत से लोग पशुपालन से तौबा कर चुके हैं। अत्यधिक चीड़ रोपण और लेंटाना आदि खरपतवारों के फैलने से प्रदेश की 2 लाख 35 हजार हेक्टेयर चरागाह और वन भूमि खरपतवारों की चपेट में आकर अनुत्पादक हो चुकी है।

खरपतवारों ने केवल स्थानीय घासों को ही नष्ट नहीं किया बल्कि प्रदेश की बहुमूल्य जैव-विविधता को भी खतरे में डाल दिया है। इसका स्थानीय अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर हुआ है। पशुपालन के लिए प्रदेश के किसानों को पंजाब से महंगी तूड़ी या पराली लाकर गुजारा करना पड़ रहा है, जबकि प्रदेश के पास 67% वन भूमि है, जिसके अधिकांश भाग में चारा उपलब्ध होता रहा है। किन्तु व्यापारिक वानिकी के चलते और खरपतवार के फैलने से प्रदेश चारे के अकाल जैसी स्थिति से जूझ रहा है। हमें यह याद रखना चाहिए कि पहाड़ों में पशुपालन खुले चरागाहों में चुगान करने पर निर्भर रहा है। इससे पशुपालन की लागत कम आती थी। पशु को धन की संज्ञा दी गई थी। किन्तु अब महंगे चारे ने पशुपालन व्यवसाय को खतरे में डाल दिया है। अन्य सुविधाएं चाहे कितनी भी दी जाएं, जब तक भरपेट सस्ता चारा उपलब्ध नहीं होगा तबतक पशुपालन की हालत दयनीय ही रहेगी।

इसका परिणाम बेसहारा छोड़े जा रहे पशुओं के झुंडों के रूप में सामने आ रहा है। हमारी योजनाएं टुकड़ों-टुकड़ों की समझ के आधार पर बनती हैं, जिससे एक काम बनता है तो दूसरा बिगड़ जाता है। भूमि उपयोग से जुड़ी योजनाएं भूमि पर आधारित सभी आर्थिक और पर्यावरणीय प्रक्रियाओं की समझ पर समग्र दृष्टि से बनाई जानी चाहिए। प्रदेश की अधिकांश भूमि तो वन विभाग के प्रबन्धन में है। इसलिए उनकी जिम्मेदारी सबसे ज्यादा बनती है की वन, कृषि, पशुपालन, बागवानी और जलवायु प्रबन्धन की जरूरतों को देखते हुए सर्व समावेशी योजना बनाने की वकालत करें।

पिछले दिनों तमिलनाडु सरकार ने खरपतवार उन्मूलन के प्रति दृढ़ता का परिचय देते हुए व्यापक कार्यक्रम शुरू करने का साहस दिखलाया है, जिससे पशुओं और वन्य प्राणियों को भी पर्याप्त घास मिल सके। तमिलनाडु उच्च न्यायालय ने भी इस मुद्दे का संज्ञान लिया है और आदेश दिया है कि यह कार्य खरपतवार काटने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उखाड़ कर वहां स्थानीय घास लगाकर चरागाह विकसित करके स्थानीय पारिस्थितिकीय संतुलन को स्थापित किया जाना चाहिए। इस प्रक्रिया को टिकाऊ बनाने के लिए स्थानीय समुदायों को भी जोड़ने का काम किया गया है।

वह मॉडल हिमाचल प्रदेश के लिए भी उपयुक्त हो सकता है। उन्होंने पर्याप्त मात्रा में इस कार्य के लिए बजट उपलब्ध करवा कर गतिविधि को सहज बनाने के लिए निजी उद्योगों को भी जोड़ा है। लेंटाना से बायोचार (एक तरह का कोयला) बना कर बेकार खरपतवार का उपयोग किया जा रहा है। हिमाचल में भी चीड़ की पत्तियों और लेंटाना जैसी खरपतवारों के पेलेट्स बनाकर उपयोग किये जा सकते हैं। हालांकि हिमाचल में इस तरह के कुछ प्रयास हुए भी हैं किन्तु वे सफल नहीं हो सके, क्योंकि उनको सरकार का पूर्ण सहयोग नहीं मिल सका। सरकार ने यह सोचा था कि यह अपने स्तर पर ही एक सफल उद्योग के रूप में स्थापित हो सकेगा, किन्तु बायोचार या ब्रिकेट्स बनाने के बाद जिस बाजार में वह उत्पाद बेचना पड़ता है उसका भाव लाभदायक नहीं मिलने के कारण वे उद्योग बंद पड़ गए हैं। यदि चरागाह विकास और वनों में आग नियंत्रण के कार्य को इससे जोड़ कर देखा जाए तो इन उद्योगों को सरकार द्वारा कच्चा माल उपलब्ध करवा कर उद्योग को भी सफल बनाया जा सकता है और कुछ बोझ निजी कंपनियां भी उठा सकती हैं।

मनरेगा (वीबी जी राम जी) कार्यक्रम को भी इस गतिविधि से जोड़ा जा सकता है। इससे विभिन्न गतिविधियों को एक-दूसरे का सहारा मिल सकता है। सस्ता घास चारागाह से उपलब्ध होगा तो पशुपालन आसन होगा, गोबर से खेत को खाद मिलेगी, खरपतवार से ब्रिकेट या बयोचार बना कर कुछ रोजगार खड़ा होगा। खेती में बेसहारा पशुओं द्वारा नुकसान कम होगा। वनों में लगने वाली आग पर कुछ नियन्त्रण हो सकेगा। हालांकि हिमाचल प्रदेश में भी समय-समय पर खरपतवार उन्मूलन के प्रयास हुए हैं किन्तु उनको लगातार बढ़ावा देकर सफलता तक पहुंचाने के प्रयास नहीं हो पाए। न ही पर्याप्त बजट का प्रावधान हो सका। 2023 में हटेगा फुलनू, लौटेगी चारागाह के नाम से एक जागरुकता अभियान चलाया गया था। कुछ जगह मनरेगा में भी खरपतवार उखाड़ने का काम हुआ था। किन्तु चरागाह स्थापित होने तक लगातार निगरानी और घासरोपण नहीं होने के कारण दोबारा वहां खरपतवार आ गया। क्योंकि लेंटाना आदि खरपतवार उन्मूलन का काम सघन श्रम का कार्य है। इसे स्वैच्छिक रूप से नहीं किया जा सकता। इसलिए प्रदेश को चरागाह पुनर्स्थापन के कार्य को बजट का जरूरी हिस्सा बनाना होगा जो प्रदेश की विभिन्न आर्थिक गतिविधियों को संबल प्रदान करेगा और वनों की पर्वतीय क्षेत्रों की मांग के अनुरूप भूमिका को भी परिभाषित करेगा।

(लेखक, हिमालय नीति अभियान के अध्यक्ष और प्रसिद्ध पर्यावरणविद् हैं।)

पिछले दिनों तमिलनाडु सरकार ने खरपतवार उन्मूलन के प्रति दृढ़ता का परिचय देते हुए व्यापक कार्यक्रम शुरू करने का साहस दिखलाया है, जिससे पशुओं और वन्य प्राणियों को भी पर्याप्त घास मिल सके।

तमिलनाडु उच्च न्यायालय ने भी इस मुद्दे का संज्ञान लिया है और आदेश दिया है कि यह कार्य खरपतवार काटने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उखाड़ कर वहां स्थानीय घास लगाकर चरागाह विकसित करके स्थानीय पारिस्थितिकीय संतुलन को स्थापित किया जाना चाहिए। इस प्रक्रिया को टिकाऊ बनाने के लिए स्थानीय समुदायों को भी जोड़ने का काम किया गया है।

एआई स्टैक और सॉवरेन मॉडल- रणनीतिक आत्मनिर्भरता

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

नई तकनीकी क्रांति के इस दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वैश्विक शक्ति संतुलन, आर्थिक निवेश और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाला परिवर्तनकारी उपकरण बन चुका है। देश की राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह संकेत स्पष्ट कर दिया कि भारत इस परिवर्तन के केंद्र में स्वयं को स्थापित कर रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार यह आयोजन भव्य रूप से सफल रहा और देश को एआई क्षेत्र में 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह आंकड़ा आज सिर्फ आर्थिक भरोसे का संकेत नहीं है, यह तो वैश्विक मंच पर भारत की नीति-दृष्टि की स्वीकृति को रेखांकित करता है।

मानव-केंद्रित एआई- भारत की विशिष्ट पहचान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मानव एआई की परिकल्पना इंसानों का, इंसानों द्वारा और इंसानों के लिए एआई को व्यापक वैश्विक समर्थन मिला। इस दृष्टि का सार यह है कि एआई का विकास केवल व्यावसायिक लाभ या तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित न रहे, बल्कि सामाजिक कल्याण, नैतिक मानकों और समावेशी विकास को प्राथमिकता दे। समिट में 70 से अधिक देशों ने अंतिम घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जोकि पिछले सम्मेलन से अधिक संख्या है। वस्?तुत: यह तथ्य दर्शाता है कि जिम्मेदार और नैतिक एआई पर भारत की पहल को बहुपक्षीय समर्थन प्राप्त हुआ है।

निवेश का अभूतपूर्व प्रवाह- विश्वास का आर्थिक रूप

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अवसंरचना से जुड़े निवेश प्रस्ताव 250 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुके हैं, जबकि डीप-टेक और वेंचर कैपिटल निवेश प्रतिबद्धताएं लगभग 20 अरब डॉलर तक पहुंच गई हैं। इन प्रतिबद्धताओं का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि एआई अवसंरचना में उच्च क्षमता वाले डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर निर्माण और साइबर सुरक्षा जैसे घटक शामिल होते हैं।

यह निवेश संकेत देता है कि भारत केवल उपभोक्ता बाजार नहीं, बल्कि एआई समाधान विकसित करने वाला वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सीमित संसाधनों के बावजूद भारतीय इंजीनियरों और शोधकर्ताओं द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता वाले मॉडल उद्योग जगत के लिए आश्चर्य का विषय बने हैं।

रिकॉर्ड भागीदारी और वैश्विक उपस्थिति समिट में 5 लाख से अधिक आगंतुकों ने भाग लिया। विश्व के लगभग सभी प्रमुख एआई प्रतिष्ठानों, उद्योग दिग्गजों और स्टार्टअप्स की भागीदारी ने इसे वैश्विक मंच का रूप दिया। प्रदर्शनी में नई तकनीकों, नवाचारों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों का प्रदर्शन हुआ। मंत्रिस्तरीय संवाद, लीडर्स प्लेनरी और उद्घाटन सत्रों में चर्चाओं की गुणवत्ता को असाधारण बताया गया।

ढाई लाख विद्यार्थियों की भागीदारी के साथ एक गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना, जो यह दर्शाता है कि भारत एआई को युवा शक्ति से जोड़ने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह भागीदारी भविष्य की कौशल संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक ठोस कदम है।

एआई स्टैक और सॉवरेन मॉडल- रणनीतिक आत्मनिर्भरता

भारत ने एआई स्टैक की पांच परतों के निर्माण की नीति अपनाई है, जिसमें डेटा, प्लेटफॉर्म, मॉडल, एप्लिकेशन और गवर्नेंस शामिल हैं। सॉवरेन बुके मॉडल की अवधारणा का उद्देश्य देश के लिए स्वदेशी एआई क्षमताओं का विकास करना है, जिससे रणनीतिक निर्भरता कम हो सके।

एआई सुरक्षा के लिए 12 संस्थानों का नेटवर्क तैयार किया गया है, जो मानकों, शोध और परीक्षण पर कार्य कर रहा है। सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन को सुदृढ़ करने के लिए पैक्स सिलिका समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल चिप निर्माण और संपूर्ण सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

एआई का व्यावहारिक उपयोग- भारत की बढ़त

अमेरिकी कंपनी ओपनएआई के अनुसार तकनीकी कार्यों के लिए चैटजीपीटी के उपयोग में भारत वैश्विक औसत से काफी आगे है। भारत में डेटा विश्लेषण का उपयोग वैश्विक औसत से लगभग चार गुना अधिक है, जबकि कोडिंग के लिए कोडेक्स का उपयोग करीब तीन गुना ज्यादा है। भारतीय उपयोगकर्ता कोडिंग से जुड़े प्रश्न वैश्विक औसत की तुलना में तीन गुना अधिक पूछते हैं और शिक्षा से संबंधित प्रश्न लगभग दोगुने हैं।

साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या 10 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जिससे भारत अमेरिका के बाहर सबसे बड़ा बाजार बन गया है। कार्य से संबंधित उपयोग 35 प्रतिशत तक है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि एआई को कार्यालयों में ड्राफ्टिंग, एडिटिंग, तकनीकी सहायता और डिबगिंग के लिए प्रभावी उपकरण के रूप में अपनाया जा रहा है।

युवा शक्ति और जनसांख्यिकीय लाभ

18 से 24 वर्ष आयु वर्ग कुल संदेशों का लगभग आधा हिस्सा भेजता है, जबकि 18 से 34 वर्ष वर्ग 80 प्रतिशत उपभोक्ता संदेशों के लिए जिम्मेदार है। यह जनसांख्यिकीय प्रवृत्ति बताती है कि भारत की युवा आबादी तकनीकी परिवर्तन को तेजी से अपना रही है। भौगोलिक दृष्टि से तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे तकनीकी केंद्र कोडिंग क्षमताओं के उपयोग में अग्रणी हैं। यह क्षेत्रीय नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूती को दर्शाता है।

वैश्विक सहयोग- ग्लोबल साउथ की आवाज

कनाडा, स्विट्जरलैंड, ब्राजील और अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने भारत की पहल की सराहना की। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला के नेतृत्व में आए बड़े प्रतिनिधिमंडल ने एआई, रक्षा, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों में साझेदारी को ऐतिहासिक बताया। कनाडा के मंत्री इवान सोलोमन ने इसे सभी देशों के लिए खुला मंच बताया। यह सम्मेलन ग्लोबल साउथ के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि तकनीकी क्रांति में विकासशील देशों की भागीदारी सुनिश्चित करना वैश्विक असमानताओं को कम करने का माध्यम बन सकता है।

स्वास्थ्य और नियमन- जिम्मेदार विस्तार की आवश्यकता

डब्ल्यूएचओ की पूर्व डिप्टी डायरेक्टर जनरल सौम्या स्वामीनाथन ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। इमेज रिकग्निशन और पैटर्न एनालिसिस के माध्यम से एक्स-रे और पैथोलॉजी स्लाइड पढ़ने जैसे कार्य विशेषज्ञों की कमी वाले क्षेत्रों में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने एआई उत्पादों के लिए क्लिनिकल ट्रायल, नियामक ढांचा और सुरक्षा मूल्यांकन की आवश्यकता पर जोर दिया। यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि तकनीकी विस्तार के साथ गवर्नेंस फ्रेमवर्क का सुदृढ़ होना अनिवार्य है। एआई का लोकतंत्रीकरण तभी सार्थक होगा जब मानक, बेंचमार्क और पारदर्शी नियम लागू किए जाएं।

विश्वास, निवेश और दृष्टि का संगम

अत: यहां निः?कर्ष रूप में यही कहना होगा कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत एआई युग में निर्णायक भूमिका निभाने की तैयारी कर चुका है। 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश प्रस्ताव, रिकॉर्ड भागीदारी, वैश्विक समर्थन और युवा शक्ति की सक्रिय उपस्थिति इस परिवर्तन की आधारशिला हैं।

भारत की मानव-केंद्रित नीति, संतुलित विदेश नीति और विशाल प्रतिभा भंडार ने एक ऐसा वातावरण तैयार किया है जिसमें तकनीकी नवाचार सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ सके। एआई का अगला अध्याय केवल एल्गोरिद्म और डेटा तक सीमित नहीं रहेगा; यह विश्वास, सहयोग और समावेशी विकास की कहानी लिखेगा। भारत इस कहानी का केंद्रीय पात्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

साहिबजादा फरहान ने बनाए टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन, बुमराह के नाम सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड

जयपुर। टी20 विश्व कप 2026 का संस्करण अब समाप्त हो गया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मुकाबले के साथ ही इस टूर्नामेंट का अंत हो गया। इस टूर्नामेंट में बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों ने दमदार प्रदर्शन किया। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान का बल्ला जमकर बोला तो वहीं गेंदबाज भी पीछे नहीं रहे। मौजूदा टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान सभी से आगे रहे। साहिबजादा ने टी20 विश्व कप 2026 में सात मैचों में 383 रन बनाए हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 100 रन रहा। टिम सीफर्ट नौ मैचों में 326 रन बनाकर दूसरे नंबर पर रहे। सीफर्ट ने फाइनल में अर्धशतकीय पारी खेली। तीसरे स्थान पर संजू सैमसन हैं जिन्होंने लगातार तीन मैचों में 50+ स्कोर बनाए जिसमें फाइनल में खेली 89 रनों की पारी भी शामिल है। सैमसन ने मौजूदा टूर्नामेंट में पांच मैचों में 321 रन बनाए। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट झटके। बुमराह फाइनल से पहले इस दौड़ में पीछे चल रहे थे, लेकिन फाइनल में चार विकेट लेने के दम पर उन्होंने हमवतन वरुण चक्रवर्ती को पीछे छोड़ दिया। भारत के स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भले ही पिछले कुछ मैचों से फॉर्म में नहीं थे, लेकिन वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने की दौड़ में सबसे आगे चल रहे थे। लेकिन मैच के अंत में बुमराह ने लगातार विकेट निकाले और वरुण के बराबर 14 विकेट लेने में सफल हुए। बुमराह की इकॉनोमी 6.21 रही, जबकि वरुण की इकॉनोमी 9.26 रही। इसी कारण बुमराह वरुण को पीछे छोड़ने में सफल हुए।

भारत बना टी-20 का विश्व विजेता : फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से रौंदा, बुमराह और सैमसन जीत के नायक

एजेंसी

अहमदाबाद। भारतीय टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड को एकतरफा मुकाबले में 96 रनों से हरा दिया है। 256 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी कीवी टीम भारतीय गेंदबाजों के आगे पूरी तरह बेबस नजर आई और निर्धारित समय से पहले ही मैच भारत की मुट्ठी में आ गया।

1. रनों का पहाड़ और रिकॉर्ड्स की झड़ी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने 255/5 का स्कोर बनाया, जो टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है। संजू सैमसन (89 रन): उन्होंने फाइनल में सबसे ज्यादा रन बनाने का मार्लोन सैमुअल्स का रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रच दिया।

विस्फोटक शुरुआत: अभिषेक शर्मा (52) और ईशान किशन (54) के अर्धशतकों और शिवम दुबे की 8 गेंदों में 26 रनों की पारी ने भारत को 250 के पार पहुँचाया।

2. भारतीय गेंदबाजों का कहर: 256 के लक्ष्य के जवाब में न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर कीवी बल्लेबाजों को कभी मैच में टिकने नहीं दिया:

जसप्रीत बुमराह: दुनिया के नंबर-1 गेंदबाज ने फिर साबित किया कि वे बड़े मैचों के खिलाड़ी हैं। उन्होंने मिचेल सेंटनर, मैट हेनरी और जिमी नीशम जैसे महत्वपूर्ण विकेट लेकर कीवी मध्यक्रम को ध्वस्त कर दिया।

अक्षर पटेल: स्पिन की मददगार पिच पर अक्षर ने 3 विकेट चटकाकर न्यूजीलैंड की कमर तोड़ दी।

हार्दिक पंड्या (2 विकेट) व वरुण चक्रवर्ती (1 विकेट): सभी गेंदबाजों ने सधी हुई लाइन पर गेंदबाजी कर जीत सुनिश्चित की।

3. न्यूजीलैंड का संघर्ष

कीवी टीम की ओर से केवल टिम साइफर्ट (52 रन) और कप्तान मिचेल सेंटनर (43 रन) ही कुछ संघर्ष कर सके। भारत की सटीक गेंदबाजी और अहमदाबाद की विशाल बाउंड्रीज के कारण कीवी टीम कभी भी जरूरी रन रेट के करीब नहीं पहुँच पाई।

अहमदाबाद में जश्न का माहौल

मैच खत्म होते ही पूरा स्टेडियम 'इंडिया-इंडिया' के नारों से गूँज उठा। रोहित शर्मा और एमएस धोनी की मौजूदगी में सूर्यकुमार यादव ने जैसे ही ट्रॉफी उठाई, आसमान आतिशबाजी से भर गया। भारत अब इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के साथ 3 बार टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाला देश बन गया है।

संजू सैमसन की धमाकेदार पारी, टी20 वर्ल्ड कप 2026 में विराट कोहली का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

एजेंसी

अहमदाबाद। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए इस मुकाबले में सैमसन भले ही शतक से चूक गए, लेकिन उनकी 89 रन की शानदार पारी ने उन्हें इतिहास के पन्नों में जगह दिला दी। इस प्रदर्शन के साथ वह टी20 वर्ल्ड कप के एक ही संस्करण में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए और उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया।संजू सैमसन ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में लगातार शानदार प्रदर्शन किया और रन बनाने के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में सिर्फ पांच पारियों में 321 रन बनाए, जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा टी20 वर्ल्ड कप के एक संस्करण में बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम था। कोहली ने एक संस्करण में 319 रन बनाए थे। वहीं तीसरे स्थान पर ईशान किशन का नाम आता है, जिन्होंने एक टी20 वर्ल्ड कप में 317 रन बनाए थे। यह उपलब्धि सैमसन की शानदार फॉर्म और पूरे टूर्नामेंट में उनकी निरंतरता को दर्शाती है।

संजू सैमसन - 321 रन (5 इनिंग्स), विराट कोहली - 319 रन (6 इनिंग्स), ईशान किशन - 317 रन (9 इनिंग्स)।

फाइनल मुकाबले में संजू सैमसन ने एक बार फिर बेहतरीन बल्लेबाजी की। उन्होंने 46 गेंदों में 89 रन की शानदार पारी खेली। अपनी इस पारी में सैमसन ने 5 चौके और 8 छक्के लगाए।

पीएम मोदी ने वर्ल्ड चैंपियन भारत को दी बधाई, कहा- टीम ने शानदार जज्बा दिखाया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 विश्वकप जीतने पर टीम इंडिया को बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'चैंपियंस! आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय टीम को बधाई। यह शानदार जीत जबरदस्त स्किल्स, पक्के इरादे और टीमवर्क को दिखाती है। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त हिम्मत दिखाई है। इस जीत ने हर भारतीय के दिल को गर्व और खुशी से भर दिया है। बहुत अच्छा काम किया टीम इंडिया।'

रोनाल्डो की चोट ने बढ़ाई चिंता, पुर्तगाल के लिए आगामी मैचों में खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली। सऊदी क्लब अल-नासर के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की हैमस्ट्रिंग चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर बताई जा रही है। टीम के कोच जॉर्ज जीसस ने खुलासा किया कि इस चोट के कारण 41 वर्षीय रोनाल्डो का पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम के लिए आगामी मैत्री मैचों में खेलना संदिग्ध हो गया है। रोनाल्डो को यह चोट पिछले सप्ताहांत सऊदी प्रो लीग के मुकाबले में लगी थी। इस मैच में अल-नासर ने अल-फायहा को 3-1 से हराया, लेकिन मुकाबले के दौरान रोनाल्डो लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए थे। कोच जॉर्ज जीसस ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि शुरुआती तौर पर यह मांसपेशियों में हल्का खिंचाव लग रहा था, लेकिन मेडिकल जांच के बाद पता चला कि चोट अनुमान से अधिक गंभीर है। उन्होंने कहा, 'पिछले मैच में क्रिस्टियानो को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। अब जांच से स्पष्ट हो गया है कि उनकी चोट हमारी उम्मीद से ज्यादा गंभीर है।' कोच के अनुसार रोनाल्डो को फिलहाल आराम और उचित उपचार की जरूरत है। इलाज के लिए वह स्पेन जाएंगे, जहां उनके निजी फिजियोथेरेपिस्ट उनकी रिकवरी पर काम करेंगे। टीम को उम्मीद है कि वह जल्द ही फिट होकर मैदान पर वापसी करेंगे। रोनाल्डो की चोट के कारण पुर्तगाल की टीम को बड़ा झटका लग सकता है।

ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 के फाइनल में लक्ष्य सेन उपविजेता, लिन चुन-यी ने जीता खिताब

एजेंसी

बर्मिंघम। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन को ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 के पुरुष एकल फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। बर्मिंघम में खेले गए मुकाबले में उन्हें चीनी ताइपे के लिन चुन-यी ने 21-15, 22-20 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। करीब 57 मिनट तक चले इस रोमांचक मुकाबले में लक्ष्य सेन ने कड़ा संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में लिन ने बेहतर खेल दिखाते हुए जीत हासिल कर ली। मुकाबले के दौरान लक्ष्य सेन दाएं पैर की उंगलियों में पड़े छालों के बावजूद कोर्ट पर डटे रहे और पूरे जोश के साथ खेलते नजर आए। पहले गेम में लिन चुन-यी ने तेज और आक्रामक खेल दिखाते हुए शुरुआत से ही बढ़त बना ली। हालांकि लक्ष्य सेन ने कुछ अच्छे अंक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन लिन ने दबाव बनाए रखते हुए पहला गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में लक्ष्य सेन ने शानदार वापसी की और कुछ समय तक मुकाबले पर पकड़ भी बनाई।

उन्होंने लंबी रैलियों और आक्रामक शॉट्स के जरिए बढ़त हासिल की, लेकिन अंत के क्षणों में लिन ने लगातार अंक जुटाकर स्कोर बराबर कर दिया। मुकाबला दो बार ड्यूस तक पहुंचा, जहां लिन ने धैर्य बनाए रखते हुए 22-20 से गेम और मैच जीत लिया।इस जीत के साथ लिन चुन-यी ऑल इंग्लैंड ओपन बैटमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष एकल खिताब जीतने वाले चीनी ताइपे के पहले खिलाड़ी बन गए। वहीं लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन के बावजूद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में दूसरी बार उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद मंडल के खिलाड़ी अयोध्या रवाना

एजेंसी

मुरादाबाद। बेसिक शिक्षा परिषद की राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद मंडल के खिलाड़ी ट्रेन के द्वारा अयोध्या के लिए रवाना हो गए।

बेसिक शिक्षा परिषद की राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 9, 10 और 11 मार्च को डॉ. भीमराव अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल, प्रयागराज रोड ढावा सेवर, अयोध्या में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में मण्डल स्तर पर विजेता खिलाड़ी राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

खिलाड़ियों का दल कैंटीजेंट लीडर बीईओ मनोज कुमार बोस व मण्डल प्रभारी एवं जिला व्यायाम शिक्षक गंगासरन के नेतृत्व में रवाना हुआ। खिलाड़ियों के साथ अयोध्या गए राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित डॉ. हरनन्दन प्रसाद ने बताया कि मुरादाबाद मंडल के अंतर्गत आने वाले पांचों जनपदों के विजेता खिलाड़ी अपने-अपने टीम प्रभारी एवं शिक्षकों के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए अयोध्या रवाना हो गए। मुरादाबाद जनपद के विभिन्न विकास खंडों के

चयनित खिलाड़ी भी पूरे उत्साह के साथ राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रस्थान कर गए। इससे पूर्व चंदौसी में आयोजित मण्डल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में जनपद मुरादाबाद ऑल ओवर चैंपियन रहा था। डॉ. हरनन्दन प्रसाद ने बताया कि प्रतियोगिता में एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश भर से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। खिलाड़ियों के साथ डॉ. हरनन्दन प्रसाद, करतार सिंह, रामचन्द्र, अरविंद कुमार, अनिरुद्ध प्रताप सिंह, मीनू रानी, मुताहिर हुसैन सहित शिक्षक अपनी-अपनी टीमों के साथ राज्य स्तर के खेलों के लिए अयोध्या रवाना हुए।

मुंबई में संपन्न हुआ 'बिजनेस टुडे' गोल्फ टूर्नामेंट, 26वें सीजन के फिनाले में जुटे देश के बड़े बिजनेस लीडर्स

मुंबई: भारत के प्रतिष्ठित कॉरपोरेट गोल्फ प्लेटफॉर्म Business Today Golf का 26वां सीजन शानदार अंदाज में मुंबई में संपन्न हुआ। इस भव्य फिनाले में कई चैंपियन, बिजनेस लीडर्स और खास मेहमान शामिल हुए। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार प्रवीण सिंह परदेशी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस मौके पर खेल भावना, नेतृत्व और कॉरपोरेट जगत की भागीदारी का जश्न मनाया गया। पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से Business Today Golf देश का सबसे प्रतिष्ठित कॉरपोरेट गोल्फ टूर्नामेंट बना हुआ है। यह मंच कॉरपोरेट जगत के बड़े निर्णय लेने वाले नेताओं को गोल्फ के मैदान पर एक साथ लाता है, जहां वे प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ नेटवर्किंग और विचारों का आदान-प्रदान भी करते हैं। AU Small Finance Bank द्वारा प्रस्तुत Business Today Golf 2025-26 सीजन की शुरुआत 29 नवंबर 2025 को हैदराबाद में हुई थी। इस लॉन्च इवेंट में क्रिकेट के दिग्गज मोहम्मद अजहरुद्दीन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। इसके बाद टूर्नामेंट देश के सात बड़े बिजनेस शहरों में आयोजित किया गया। चार महीनों तक चले इस सीजन में चंडीगढ़, बेंगलुरु, कोच्चि, चेन्नई और गुरुग्राम जैसे शहरों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिसके बाद मुंबई में फाइनल मुकाबला हुआ।

भारत के लिए और अधिक अंतरराष्ट्रीय पदक जीतना मेरा सपना : शशिकला मौर्या

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के दीनापुर गांव की रहने वाली कराटे खिलाड़ी शशिकला मौर्या का कहना है कि उनका सपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए और अधिक पदक जीतना है। वे आने वाले समय में विश्व चैंपियनशिप, एशियन चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और ओलम्पिक जैसे बड़े मंचो पर शानदार प्रदर्शन कर भारत का नाम दुनिया भर में रोशन करना चाहती हैं। कराटे खिलाड़ी शशिकला मौर्या आज अपने संघर्ष, मेहनत और उपलब्धियों के कारण युवाओं, खासकर बेटियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। सीमित संसाधनों और आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीतकर अपनी अलग पहचान बनाई है। शशिकला ने विशेष बातचीत में कहा कि वह एक आम लड़की हैं, जो अपने माता-पिता से मिले नाम को बनाने में लगी है। उनके पिता ओमप्रकाश मौर्या फूल-माला बेचकर परिवार

का भरण-पोषण करते हैं। इसी सीमित आय में से वह अपनी बेटी के कराटे प्रशिक्षण और खर्च का भी प्रबंध करते रहे हैं। शशिकला बताती हैं कि उनका खेल सफर बेहद साधारण तरीके से शुरू हुआ। जब वो कंपोजिट विद्यालय में पढ़ती थीं, तब वहां एक शिक्षक कराटे की कोचिंग देने आते थे। उसी दौरान एक लड़की कराटे सीखने जाती थी, तो मैं भी उसके साथ वहां चली गई। वहीं मेरी मुलाकात कोच अरविंद मौर्य से हुई, जिन्होंने उन्हें प्रशिक्षित किया और प्रतियोगिताओं में खेलने के लिए प्रेरित किया। मुझे यह खेल इतना पसंद आया कि मैंने इसे अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया। उन्होंने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति हमेशा चुनौतीपूर्ण रही है। कई बार टूर्नामेंट की फीस, किट और यात्रा का खर्च जुटाना भी मुश्किल हो जाता था। उनकी दिनचर्या भी काफी कठिन रही है। वह सुबह फूल तोड़ने जाती हैं, फिर माला बनाती और उसके बाद अभ्यास के लिए अकादमी पहुंचती हैं। अकादमी तक पहुंचने के लिए उन्हें रोजाना लगभग 20 से 30 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। इसके बावजूद उनका ध्यान हमेशा अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहा। शशिकला अपनी सफलता का सबसे बड़ा श्रेय अपने पिता और कोच को देती हैं। उनका कहना है कि जब समाज के लोग यह कहते थे कि लड़की होकर मार्शल आर्ट्स क्यों सीख रही है, तब पिता हमेशा उनके साथ खड़े रहे। उनका विश्वास ही सबसे बड़ी ताकत बना। साथ ही उनके कोच अरविंद मौर्या ने उन्हें प्रशिक्षण देने के साथ-साथ कई बार आर्थिक रूप से भी मदद की। राष्ट्रीय स्तर पर शशिकला ने वर्ष 2018 से पदक जीतने का सिलसिला शुरू किया। उन्होंने 2018 की सब-जूनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप (नई दिल्ली) में कुमिते में रजत पदक जीता।

पॉप स्टार रिकी मार्टिन ने टी20 विश्व कप के समापन समारोह में धूम मचाई

एजेंसी

अहमदाबाद : दुनिया भर में मशहूर पॉप आइकन और दो बार के ग्रैमी विजेता रिकी मार्टिन ने यहां आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल से पहले आयोजित समापन समारोह में अपने हिट गाने 'लिविन ला विदा लोका' और 'द कप ऑफ लाइफ' से मंच पर धूम मचा दी। मार्टिन के साथ भारतीय गायक सुखबीर और फाल्गुनी पाठक ने भी दर्शकों का मनोरंजन किया।अहमदाबाद में भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल मुकाबले से पहले तीनों गायकों ने मिलकर संगीत का शानदार माहौल बनाया। 'प्रिंस ऑफ भांगड़ा' के नाम से मशहूर सुखबीर ने अपने डांस ट्रूप के साथ अपने लोकप्रिय पंजाबी गीत 'ओ हो हो हो - ओ हो हो हो' सहित कई

हिट गाने प्रस्तुत किए। वहीं 'डांडिया क्वीन' के नाम से मशहूर फाल्गुनी पाठक ने लगभग 50 डांसरों के साथ गुजराती लोकगीतों और बॉलीवुड गीतों से कार्यक्रम की शुरुआत की। लैटिनो गायक-गीतकार मार्टिन ने अपनी प्रस्तुति का समापन अपने सबसे बड़े हिट गाने 'मारिया' और 'ला कोपा डि ला विदा' के साथ किया। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में मौजूद दर्शक इन प्रस्तुतियों से झूम उठे।

टीम इंडिया ने फाइनल में बनाए तीन बड़े वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी

अहमदाबाद। भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल न्यूजीलैंड के खिलाफ टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और ईशान किशन की शानदार अर्धशतकीय पारियों के साथ शिवम दुबे की तूफानी पारी ने भारत को 5 विकेट पर 255 रन तक पहुंचाया। इस पारी ने टी20 विश्व कप फाइनल के इतिहास को पूरी तरह बदल दिया।

टी20 विश्व कप फाइनल में सबसे बड़ा स्कोर

टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत ने 5 विकेट पर 255 रन बनाकर इतिहास रच दिया। इससे पहले फाइनल में किसी टीम का उच्चतम स्कोर श्रीलंका का 196/6 (2021) और ऑस्ट्रेलिया का 173/2 (2021)

था। भारतीय बल्लेबाजों ने पावरप्ले से ही आक्रामक खेल दिखाया और लगातार चौके और छक्कों के साथ स्कोर को तेजी से बढ़ाया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने कई कोशिशें की लेकिन भारतीय बल्लेबाजों की लय को रोक नहीं पाए। इस स्कोर ने भारत को फाइनल में विशाल प्लेटफॉर्म दिया और विपक्षी टीम के लिए लक्ष्य बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिया।

फाइनल में टॉप 3 बल्लेबाजों के अर्धशतक

टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहली बार ऐसा हुआ कि एक ही टीम के टॉप तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक जड़ा।

अभिषेक शर्मा - तेजतर्रार अर्धशतक, शानदार स्ट्राइक रेट (21 गेंदों पर 52 रन, 6 चौके और 3 छक्के)

संजू सैमसन - लगातार तीसरे अर्धशतक के साथ टीम को बढ़त दी (46 गेंदों पर 89 रन, 5 चौके और 8 छक्के)

ईशान किशन - आक्रामक बैटिंग और टीम को स्ट्रॉन्ग प्लेटफॉर्म दिया (25 गेंदों पर 54 रन, 4 चौके और 4 छक्के)

टीम इंडिया ने फाइनल में कुल 18 छक्के लगाए, जो किसी भी टीम द्वारा टी20 विश्व कप फाइनल में लगाए गए सबसे ज्यादा छक्के हैं। शिवम दुबे की 8 गेंदों में 26 रन की तूफानी पारी ने इस रिकॉर्ड को और भी खास बना दिया, जिसमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल थे। इससे पहले वेस्टइंडीज ने 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 11 छक्के लगाए थे।

अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने तोड़ा 17 साल पुराना रिकॉर्ड

एजेंसी

अहमदाबाद। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को ओपनर्स अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज में रन बनाते हुए पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की और टी20 वर्ल्ड कप फाइनल के इतिहास में 17 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस दमदार शुरुआत ने भारत को बड़े स्कोर की मजबूत नींव भी दे दी।

फाइनल में पहली बार 50 रन की ओपनिंग साझेदारी

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में फाइनल मुकाबलों में अक्सर शुरुआत धीमी देखने को मिली है। लेकिन इस बार भारतीय ओपनर्स ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी कर टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में नया रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले फाइनल में

ओपनिंग विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी 48 रन की थी। यह रिकॉर्ड साल 2009 के टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में बना था, जब कामरान अकमल और शाहजैब हसन ने पाकिस्तान के लिए 48 रन जोड़े थे। अब करीब 17 साल बाद भारतीय जोड़ी ने इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

भारत ने बनाया सेमीफाइनल और फाइनल का सबसे तेज 50

भारतीय टीम ने इस मुकाबले में तेज शुरुआत करते हुए सिर्फ चार ओवर में ही 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया। यह टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया सबसे तेज 50 रन बन गया है। इस आक्रामक शुरुआत ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर शुरुआत से ही दबाव बना दिया। पावरप्ले के दौरान अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन दोनों ने खुलकर शॉट खेले। पहले छह ओवर में भारतीय टीम ने 90 से ज्यादा रन जोड़ दिए, जो किसी भी फाइनल मुकाबले के लिए बेहद शानदार शुरुआत मानी जाती है। फाइनल में अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन खास तौर पर चर्चा में रहा।

तजिंदरपाल सिंह ने बढ़ाया मान, 20 मीटर से अधिक के थ्रो के साथ गोला फेंक में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तजिंदरपाल सिंह तूर ने इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के पहले दिन गोला फेंक (शॉट पुट) स्पर्धा में 20 मीटर से अधिक का थ्रो करके स्वर्ण पदक जीता। पंजाब के 31 वर्षीय एथलीट ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 20.51 मीटर की दूरी के थ्रो से स्वर्ण पदक जीता। पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान परिसर में दो दिवसीय प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद तूर ने कहा, मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हूं। तूर ने दो अन्य प्रयासों (20.02 मीटर और 20.07 मीटर) में भी 20 मीटर का आंकड़ा पार किया जिससे संकेत मिलता है कि उनका प्रशिक्षण सत्र अच्छा चल रहा था। उनके अन्य तीन प्रयास विफल रहे। तूर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 21.17 मीटर जून 2023 में बना था। इस सत्र में उनका मुख्य लक्ष्य जापान के आइची-नागोया एशियाई खेलों में अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए साल के अंत तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। पटियाला में शनिवार को आयोजित हैमर थ्रो प्रतियोगिता में रिलायंस का प्रतिनिधित्व करने वाले स्वर्ण पदक विजेता दमनीत सिंह पर भी सबकी निगाहें टिकी थीं। उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 70.64 मीटर था जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड 70.73 मीटर से कम रहा।

खेलों में सिफारिश की संस्कृति को समाप्त करने के लिए प्रयास जारी: डॉ. जितेंद्र सिंह

एजेंसी

श्रीनगर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा है कि मोदी सरकार के तहत अवसरों के लोकतंत्रीकरण और सुलभ रास्तों के कारण जम्मू और कश्मीर में युवाओं के बीच आकांक्षाओं का उभार और आत्मविश्वास का नया दौर देखने को मिल रहा है। डॉ. जितेंद्र सिंह अपने आवास पर जम्मू और कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के सम्मान में आयोजित भोज के अवसर पर बोल रहे थे, जिन्होंने रणजी ट्रॉफी में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया था। उन्होंने इस उपलब्धि को केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं में बढ़ते आत्मविश्वास और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब बताया। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, देश भर के युवाओं को अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने और अपनी क्षमता को साकार करने के लिए समान अवसर प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि खेलों में सिफारिश की संस्कृति को समाप्त करने के लिए कड़े प्रयास किए गए हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि हालांकि पूर्व संवैधानिक ढांचे के कारण जम्मू और कश्मीर में सुधार की प्रक्रिया शुरू होने में कुछ समय लगा, लेकिन अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद परिवर्तनकारी बदलावों में तेजी आई। इन सुधारों के बाद, केंद्र शासित प्रदेश ने देश के अन्य राज्यों के समान शासन और भर्ती प्रथाओं को अपनाना शुरू कर दिया।

मंत्री ने कहा कि लागू किए गए प्रमुख सुधारों में से एक भर्ती प्रक्रियाओं में साक्षात्कार के घटक को समाप्त करना था, जिससे चयन में पारदर्शिता और निष्पक्षता में काफी सुधार हुआ है। इसके परिणामस्वरूप, उन्होंने कहा, केंद्र शासित प्रदेश के सबसे दूरदराज के हिस्सों से भी युवा लड़के और लड़कियों को अब उन नौकरियों के लिए चुना जा रहा है, जिन्हें पहले व्यापक रूप से केवल प्रभावशाली या कुलीन परिवारों से संबंधित लोगों के लिए ही सुलभ माना जाता था। डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस परिवर्तन को स्पष्ट करने के लिए हाल ही का एक उदाहरण दिया। हाल ही में घोषित सिविल सेवा परिणामों का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि कश्मीर घाटी के एक दृष्टिबाधित उम्मीदवार, जो एक मजदूर के बेटे हैं, ने सिविल सेवाओं में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि पहले यह धारणा व्यापक थी कि केवल प्रभावशाली पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवार या महंगे कोचिंग संस्थानों तक पहुंच रखने वाले ही ऐसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो सकते हैं। हालांकि, हाल के परिणाम दर्शाते हैं कि योग्यता और दृढ़ संकल्प अब सफलता के निर्णायक कारक के रूप में उभर रहे हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि निष्पक्षता और पारदर्शिता की यही भावना खेलों के क्षेत्र में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। उन्होंने बताया कि खेलों में निष्पक्ष और योग्यता-आधारित चयन प्रक्रिया शुरू होने के बाद, केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिभाशाली लड़के-लड़कियों को अब विभिन्न खेल विधाओं में जम्मू और कश्मीर का प्रतिनिधित्व करने के अवसर मिल रहे हैं। क्रिकेट का विशेष रूप से जिक्र करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर टीम का प्रदर्शन इस बदलाव का एक सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिताओं में जम्मू-कश्मीर टीम को गंभीरता से नहीं लिया जाता था। हालांकि, अब टीम ने भारतीय घरेलू क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में से एक, कर्नाटक टीम को हराकर अपनी मजबूत छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि ने जम्मू-कश्मीर के युवाओं में एक नया आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास जगाया है कि वे भी देश की सर्वश्रेष्ठ टीमों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और सफलता प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि युवाओं में विश्वास और आकांक्षा की यह भावना लोकतंत्र के सच्चे सार को दर्शाती है।

मनीबाक्स फाइनेंस ने वर्तमान शेयरधारकों से जुटाई 33.4 करोड़ रु की इक्विटी पूंजी

एजेंसी

मुंबई। शेयर बाजार में सूचीबद्ध गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मनीबाक्स फाइनेंस लि. ने अपने वर्तमान शेयरधारकों और प्रवर्तकों को इक्विटी शेयर आवंटित कर के 33.4 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। राजस्थान, मध्यप्रदेश , पंजाब, हरियाणा उत्तर प्रदेश से लेकर तेलंगात तक 12 राज्यों में फैले अपनी 150 से अधिक शाखाओं के नेटवर्क के साथ ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में लघु और सूक्ष्म उद्यमों की कर्ज की जरूरतों को पूरा करने में मदद कर रही इस कंपनी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि उसने इस पूंजी के लिए अपने 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले 44 लाख शेयर आवंटित किये हैं। यह आवंटन 76 रुपये प्रति शेयर के आधार पर किया गया है।यह कंपनी अपना कारोबार शुरू करने के बाद से कुल मिला कर 303.9 करोड़ रुपये की शेयर पूंजी जुटा चुकी है। कंपनी ने कहा है, ' चालू वित्त वर्ष में उसने जो भी शेयर पूंजी जुटाई है वह उसके प्रवर्तकों और वर्तमान शेयरधारकों से प्राप्त हुई है जो कंपनी के कारोबार के मॉडल और उसकी वृद्धि की संभावनाओं के प्रति उनके विश्वास को दर्शाती है।' मनीबॉक्स के सह संस्थापक एवं सीईओ दीपक अग्रवाल ने एक बयान में कहा, ' कंपनी में 33.4 करोड़ रुपये की पूंजी का आना अपने व्यवसाय के तरीकों के प्रति हमारा भरोसा बढ़ा है , वित्तीय समावेशन के काम को बड़े पैमाने पर ले जाने की हमारी शक्ति बढ़ी है।'

केंद्र सरकार 'सशक्त देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र' पर करेगी वेबिनार, 1.5 लाख केयरगिवर को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। केंद्र सरकार वेबिनार श्रृंखला के तहत 'सशक्त देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र : 1.5 लाख बहु-कौशल केयरगिवर का प्रशिक्षण' विषय पर विशेष ब्रेकआउट सत्र आयोजित करेगी। यह वेबिनार 'सबका साथ सबका विकास- लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति' विषय पर होगा। केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने बताया की वह इस वेबिनार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय समन्वित करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बजट के बाद वेबिनार 2026-27 को संबोधित करेंगे। केंद्रीय बजट 2026-27 के पैरा 54 में मजबूत केयर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर जोर दिया गया है। इसके तहत वृद्धजन और संबद्ध देखभाल सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचा के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित किए जाएंगे। इनमें देखभाल कौशल के साथ वेलनेस, योग तथा चिकित्सा और सहायक उपकरणों के संचालन जैसे कौशल भी शामिल होंगे। आने वाले वर्ष में 1.5 लाख केयरगिवर को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। वेबिनार के दौरान देखभाल क्षेत्र के लिए सक्षम कार्यबल विकसित करने पर चर्चा होगी। इसका उद्देश्य देश में बढ़ती घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ वैश्विक देखभाल अर्थव्यवस्था में अवसरों का लाभ उठाना भी है।

टॉप 10 में शामिल 8 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.81 लाख करोड़ की गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से आठ कंपनियों के मार्केट कैप में 2.81 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को हुआ। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक नुकसान उठाने के मामले में दूसरे स्थान पर रहा। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल दो कंपनी के मार्केट कैप में इस सप्ताह 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टूब्रो, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारती एयरटेल के मार्केट कैप में 2,81,581.53 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस के मार्केट कैप में 18,210.38 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दो मार्च से छह मार्च के बीच हुए कारोबार के दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 53,952.96 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 10,55,567.27 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 46,936.82 करोड़ रुपये कम होकर 9,40,049.82 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

गौतम अडाणी ने कहा-मेरे जीवन को संवारने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने उन महिलाओं के प्रति अपना आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनके जीवन और सफर को संवारा है। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता की नींव उन मूल्यों और समर्थन पर टिकी है, जो उन्हें अपने परिवार से मिला। गौतम अडाणी ने लिंक्डइन पर लिखे एक लेख में अपनी मां शांताबेन अडाणी को याद करते हुए लिखा कि कैसे बचपन में उन्होंने रामायण जैसे महाकाव्यों की कहानियां सुनाकर उनमें साहस, त्याग और कर्तव्य के मूल्यों को स्थापित किया। उन्होंने कहा कि उन सीखों की गहराई उन्हें तब समझ में आई, जब 16 साल की उम्र में उन्होंने अपना करियर बनाने के लिए मुंबई जाने के लिए घर छोड़ा था। अडाणी ने उस मानसिक शक्ति को याद किया, जो उनकी मां ने उन्हें एक अनिश्चित भविष्य की ओर कदम बढ़ाने की अनुमति देते समय दिखाई होगी।

मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने अन्य देश से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण भारत ने अन्य देशों से अतिरिक्त कच्चा तेल खरीदना शुरू कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय कंपनियां अमेरिका, रूस और पश्चिमी अफ्रीका में मौजूद कच्चे तेल के आपूर्तिकर्ता देशों से कच्चा तेल खरीदने के लिए बातचीत कर रही हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। फरवरी में भारत के कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरा था।

भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है, इसलिए स्थिर आपूर्ति मार्ग देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। संभावित

व्यवधानों से निपटने के लिए, रिफाइनरियों ने नियोजित रखरखाव कार्यों को स्थगित कर दिया है और सामान्य प्रसंस्करण दर बनाए रखी है ताकि निकट भविष्य में मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त ईंधन का उत्पादन किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, 'जलडमरूमध्य के बाहर के स्रोत पूरी तरह से चालू हैं और देश संघर्ष रहित क्षेत्रों से अधिक आपूर्ति प्राप्त कर रहा है। '

उन्होंने यह भी बताया कि 2025 में भारत के कच्चे तेल के आयात का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर से आया था। मध्य पूर्व संघर्ष में वृद्धि के बाद, यह हिस्सा बढ़कर लगभग 70 प्रतिशत हो गया है।

आपूर्ति की स्थिति को अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा जारी एक अस्थायी छूट से भी समर्थन मिला है, जो 5 मार्च से पहले जहाजों पर लोड किए गए प्रतिबंधित रूसी कच्चे तेल की बिक्री और डिलीवरी की अनुमति देता है। यह छूट 5 अप्रैल तक वैध है और पहले से ही ट्रांजिट में मौजूद माल को प्रतिबंधों का उल्लंघन किए बिना वितरित करने की अनुमति देता है। इस बीच, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत की ऊर्जा आपूर्ति की स्थिति स्थिर बनी हुई है। पत्रकारों से बात करते हुए पुरी ने कहा कि देश मौजूदा वैश्विक परिवेश में ऊर्जा की उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता सुनिश्चित करने की चुनौती का सफलतापूर्वक सामना कर रहा है। उन्होंने कहा, 'होर्मुज मार्ग के अलावा सभी मार्गों से देश में ऊर्जा आयात पूरी तरह से जारी है। हमारे नागरिकों की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ण पूर्ति हो रही है। भारत एक मजबूत स्थिति में है और चिंता या अटकलों की कोई गुंजाइश नहीं है। '

एफपीआई ने चार दिन में पूंजी बाजार से निकाले 21,013 करोड़ रुपये

एजेंसी

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के पहले सप्ताह में चार दिन में भारतीय पूंजी बाजार में 21,013 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। शुद्ध निवेश लगायी गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर होता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने इक्विटी में 21,000

करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने 463 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। म्यूचुअल फंड से भी उन्होंने 345 करोड़ रुपये निकाले। दूसरी तरफ, एफपीआई ने डेट में अपना निवेश 794 करोड़ रुपये बढ़ाया। पश्चिम एशिया में गत 28 फरवरी से जारी संकट के कारण निवेशकों ने पूंजी बाजार से पैसे निकाले।

एसबीआई महिला सशक्तिकरण के लिए देगा 50 करोड़ डॉलर का सिंडिकेटेड ऋण

एजेंसी

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित 50 करोड़ डॉलर के साझा (सिंडिकेटेड) सामाजिक सावधि ऋण सुविधा शुरू करने की घोषणा की है। सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इसमें ग्रीनशू का विकल्प भी रखा गया है यानी अतिरिक्त ऋण भी दिया जा सकता है। यह एसबीआई और पर्यावरण, सामाजिक तथा प्रशासनिक वित्त पोषण के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसका उद्देश्य महिला सशक्तिकरण है। उसने बताया कि यह 'लैंगिक भेदभाव' को कम करने के लिए एसबीआई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य-5 (लैंगिक समानता प्राप्त करना और सभी महिलाओं एवं लड़कियों को सशक्त बनाना) में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। एसबीआई के अध्यक्ष सी.एस. शेट्टी ने कहा, 'इस महिला दिवस पर हमें

यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि एक जिम्मेदार संगठन के रूप में हम महिला सशक्तिकरण को सतत विकास की आधारशिला के रूप में बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हमारा मानना है कि वास्तविक प्रगति केवल आर्थिक विकास पर निर्भर नहीं करती, बल्कि सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने, महिलाओं को सशक्त बनाने और सभी हितधारकों के लिए एक समावेशी समाज बनाने की हमारी क्षमता पर भी निर्भर करती है।' एसबीआई ने पहली बार साझा सावधि ऋण की घोषणा की है। इसके तहत एक से अधिक बैंक या वित्तीय संस्थान मिलकर कोई बड़ा ऋण देते हैं। उम्मीद की जा रही है कि यह लैंगिकता की थीम पर आधारित दुनिया का सबसे बड़ा ऋण होगा।

एयरबस ने बेंगलुरु में शुरू किया अपना दूसरा सबसे बड़ा डिजिटल सेंटर

एजेंसी

बेंगलुरु। यूरोप की विमान बनाने वाली कंपनी एयरबस ने बेंगलुरु में एक अत्याधुनिक तकनीकी केंद्र का उद्घाटन किया है जो इंजीनियरिंग, डिजिटल परिवर्तन, ग्राहक सेवाओं और खरीद के लिए एक प्रमुख हब के रूप में कार्य करेगा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और उद्योग एवं अवसंरचना मंत्री एम.बी. पाटिल ने शुक्रवार को 'एयरबस इंडिया टेक्नोलॉजी सेंटर' का उद्घाटन किया। नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु ने वर्चुअली इस कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में एयरबस की डिजिटल कार्यकारी उपाध्यक्ष कैथरीन जेस्टिन तथा भारत और दक्षिण एशिया में एयरबस के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जुर्गन वेस्टरमायर भी उपस्थित थे।

श्री नायडू ने कहा कि एयरबस यूरोप के बाहर भारत में अपना दूसरा सबसे बड़ा डिजिटल सेंटर बना रहा है। भारत आज वैश्विक क्षमता केंद्रों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। भारत से कौशल से लैस और युवा कार्यबल की मदद से अभियांत्रिकी और नवाचार के केंद्र के रूप में एयरबस का नया परिसर इस बात का प्रमाण है। श्री वेस्टरमायर ने कहा कि 'एयरबस इंडिया टेक्नोलॉजी सेंटर' का उद्घाटन देश में एयरबस की यात्रा में एक रणनीतिक प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है। यह कंपनी के विकास के अगले चरण के लिए आवश्यक पैमाना और क्षमता प्रदान करता है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि कंपनी की वैश्विक मूल्य श्रृंखला के हर चरण में भारतीय विशेषज्ञता शामिल रहे। नया केंद्र 8,80,000 वर्ग फुट में फैला हुआ है जिसे पांच हजार कर्मचारियों के लिए डिजाइन किया गया है। इस केंद्र में महत्वपूर्ण विमान तकनीकों के रखरखाव से लेकर अगली पीढ़ी के विमानों, साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर शोध भी किया जायेगा। इस परिसर में एक समर्पित ग्राहक सेवा केंद्र भी है, जो स्थानीय और वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान करता है।

28 करोड़ से अधिक जनधन खाते महिलाओं के पास, नए भारत में बढ़ रही भागीदारी : निर्मला सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वित्तीय सेवाओं तक पहुंच ने महिलाओं को असली आजादी तक पहुंचने में मदद की है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि जनधन खाता और 'लखपति दीदियों' जैसी सरकारी योजनाएं महिलाओं को वित्तीय रूप से मजबूत कर रही हैं और पूरे भारत में घरों और समुदायों को नया आकार दे रही हैं। जन धन योजना की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, देश में अब तक 57.71 करोड़ जनधन खाते खोले जा चुके हैं। वहीं, लखपति दीदी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। इस योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को ट्रेनिंग, फाइनेंस और अन्य संसाधनों की मदद दी जाती है। इसका लक्ष्य महिलाओं को इतना सक्षम बनाना है

कि वे सालाना एक लाख रुपए या उससे ज्यादा की आय अर्जित कर सकें। इससे ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भर बनने का मौका मिलता है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, 'जब महिलाओं को वित्तीय सहायता मिलती है, तो उन्हें स्वतंत्रता मिलती है। महिलाओं के पास अब 28 करोड़ से अधिक जन धन खाते हैं, जो पूरे भारत में घरों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचा रहे हैं और उनकी वित्तीय स्वतंत्रता को मजबूत कर रहे हैं। ' इसी प्रकार, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी राष्ट्र निर्माण में महिलाओं के योगदान की सराहना की।

अपने संदेश में उन्होंने कहा कि 'नारी शक्ति' नए भारत के निर्माण का आधार है और देश के विकास के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अवसर सृजित करने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। गोयल ने आगे कहा कि महिलाएं दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास के साथ भारत के परिवर्तन का नेतृत्व कर रही हैं, चाहे वह उद्यमशीलता हो, खेल, रक्षा, विज्ञान या ग्रामीण विकास।

इस दिन को मनाते हुए, उन्होंने महिलाओं की शक्ति और आकांक्षाओं का समर्थन करने और एक मजबूत और समृद्ध भारत के भविष्य को आकार देने में उनकी भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए नए सिरे से प्रतिबद्धता का आह्वान किया।

शीर्ष 10 की आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,81,582 करोड़ रुपये घटा

एजेंसी

मुंबई। शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही बड़ी गिरावट के बीच बीएसई की शीर्ष 10 में से शामिल आठ कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 2,81,582 करोड़ रुपये घट गया जबकि अन्य दो का 18,209 करोड़ रुपये बढ़ा। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक को बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक 53,953 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक को 46,937 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक को 46,552 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। अभियांत्रिकी एवं विनिर्माण क्षेत्र की कंपनी एलएंडटी का एमकैप 45,629 करोड़ रुपये कम हुआ। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फाइनेंस का एमकैप 28,935 करोड़ रुपये और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस का 28,492 करोड़ रुपये घट गया। एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनीलिवर का एमकैप 26,351 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का 4,732.75 करोड़ रुपये कम हुआ।

विविध क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार

पूंजीकरण 14,750 करोड़ रुपये और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस का 3,459 करोड़ रुपये बढ़ा।

बाजार पूंजीकरण के मामले में 19,01,583 करोड़ रुपये के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही। इसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक का एमकैप 13,19,107 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का 10,67,121 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

स्कोडा कुशाक पर बंपर छूट, ग्राहकों को मिल रहा 2 लाख तक का फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। अगर आप नई एसयूवी खरीदने की योजना बना रहे हैं तो मार्च का महीना आपके लिए अच्छा मौका साबित हो सकता है। ऑटोमोबाइल कंपनी Skoda अपनी लोकप्रिय एसयूवी Skoda Kushaq पर इस महीने शानदार छूट दे रही है। कंपनी ने सीमित समय के लिए इस कार पर आकर्षक ऑफर पेश किए हैं, जिसके तहत ग्राहकों को लाखों रुपये तक की बचत का मौका मिल रहा है। यह ऑफर खास तौर पर मार्च 2026 के दौरान उपलब्ध है और अलग-अलग मॉडल ईयर के अनुसार छूट की राशि अलग हो सकती है। कंपनी की ओर से दी जा रही इस डील के तहत MY2026 मॉडल वाली स्कोडा कुशाक पर करीब 1.20 लाख रुपये तक की बचत की जा सकती है। वहीं, MY2025 मॉडल पर ग्राहकों को और भी ज्यादा फायदा मिल रहा है, जहां कुल छूट करीब 2 लाख रुपये तक पहुंच सकती है। इस ऑफर में कैश डिस्काउंट के साथ-साथ अन्य लाभ भी शामिल हो सकते हैं। हालांकि, अलग-अलग शहरों और डीलरशिप के आधार पर इन ऑफर्स में थोड़ा अंतर हो सकता है, इसलिए खरीदारी से पहले नजदीकी डीलर से पूरी जानकारी लेना बेहतर रहेगा। स्कोडा कुशाक को खास तौर पर भारतीय बाजार को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। यह कार कंपनी के MQB-A®-IN प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिसे भारतीय सड़कों और ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार विकसित किया गया है। बाहरी डिजाइन की बात करें तो इसमें चौड़ी क्रोम ग्रिल, आकर्षक एलईडी हेडलाइट्स और स्पोर्टी फ्रंट बंपर दिया गया है, जो इसे मजबूत और प्रीमियम लुक देता है। साइड प्रोफाइल भी काफी सॉलिड दिखाई देती है, जबकि पीछे की ओर एलईडी टेललाइट्स का डिजाइन इसे आधुनिक पहचान देता है। इंटीरियर में भी कई आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। कार के केबिन में 10-इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलता है, जो वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले को सपोर्ट करता है। इसके अलावा ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, वेंटिलेटेड सीट्स और प्रीमियम फिनिश जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, जिससे ड्राइविंग का अनुभव और अधिक आरामदायक बनता है।

स्कोडा कुशाक में ग्राहकों को दो पेट्रोल इंजन विकल्प दिए जाते हैं। पहला 1.0-लीटर टीएसआई इंजन है, जो लगभग 115 बीएचपी की पावर और 178 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है। दूसरा 1.5-लीटर टीएसआई इंजन ज्यादा ताकतवर है और करीब 150 बीएचपी की पावर के साथ 250 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। ट्रांसमिशन विकल्पों की बात करें तो इसमें 6-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड ऑटोमैटिक और 7-स्पीड डीएसजी गियरबॉक्स का विकल्प दिया गया है। इन विकल्पों की वजह से ग्राहक अपनी जरूरत और ड्राइविंग स्टाइल के अनुसार मॉडल चुन सकते हैं। भारतीय बाजार में स्कोडा कुशाक की कीमत करीब 10.61 लाख रुपये से शुरू होकर 18.43 लाख रुपये तक जाती है। यह एसयूवी कई वेरिएंट्स में उपलब्ध है, जिससे अलग-अलग बजट के ग्राहकों के लिए विकल्प मिल जाते हैं। सुरक्षा के मामले में भी यह कार काफी मजबूत मानी जाती है। इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और हिल होल्ड कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा इस एसयूवी को सेफ्टी के लिए 5-स्टार रेटिंग भी मिल चुकी है।

रिलायंस फाउंडेशन की पहल को IOC की सराहना, ओलंपिक मूल्यों से जुड़ रहे भारत के लाखों बच्चे

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (IOC) ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित एक विशेष लेख में दुनिया भर में महिलाओं द्वारा ओलंपिक मूल्यों को आगे बढ़ाने के प्रयासों को रेखांकित किया है। इस लेख में भारत में रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से चल रहे कार्यक्रम को प्रमुख उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया है। लेख के अनुसार ओलंपिक वैल्यूज एजुकेशन प्रोग्राम (OVEP) के माध्यम से भारत में खेल भावना, सम्मान, निष्पक्षता और टीमवर्क जैसे मूल्यों को बच्चों तक पहुंचाने का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2024 से अब तक यह कार्यक्रम देश के 65 हजार से अधिक स्कूलों में करीब 1.2 करोड़ बच्चों तक पहुंच चुका है। IOC और रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से यह पहल अब ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के

समुदायों में संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों तक भी पहुंची है। देश के 120 आंगनवाड़ी केंद्रों में महिलाओं ने अब तक 1200 से अधिक OVEP सत्र आयोजित किए हैं। लेख में मध्य प्रदेश के एक आंगनवाड़ी केंद्र से जुड़ी छात्रा रूचि का उदाहरण देते हुए बताया गया है कि खेल और मूल्यों पर आधारित गतिविधियां बच्चों, खासकर लड़कियों में आत्मविश्वास और सहभागिता को बढ़ाने में मदद कर रही हैं। भारत में ओलंपिक आंदोलन को आगे बढ़ाने में नीता अंबानी की भूमिका भी उल्लेखनीय है। वह रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन होने के साथ-साथ इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की सदस्या भी हैं और खेल तथा ओलंपिक मूल्यों को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने के प्रयासों से जुड़ी रही हैं।

IOC के इस लेख में भारत के अलावा सऊदी अरब, सेनेगल और इटली की पहलों का भी उल्लेख किया गया है, जहां महिलाओं की भागीदारी के जरिए ओलंपिक मूल्यों को शिक्षा और समुदाय से जोड़ने की कोशिश की जा रही है।

चावल, गेहूं, चीनी नरम; खाद्य तेलों, दालों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गये। चावल के साथ गेहूं और चीनी में भी नरमी रही। खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 20 रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,833 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं 15 रुपये सस्ता होकर 2,819 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। आटे की

कीमत 3,310 रुपये प्रति पर लगभग स्थिर रही। दालों की कीमत में घट-बढ़ रही। मूंग दाल की औसत कीमत 50 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। तुअर दाल 44 रुपये और चना दाल 40 रुपये सस्ती हुई। उड़द दाल का भाव 25 रुपये गिर गया। मसूर दाल सात रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। बीते सप्ताह खाद्य तेलों में भी उतार-चढ़ाव देखा गया। सूरजमुखी तेल की औसत कीमत 83 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सरसों तेल भी 11 रुपये महंगा हुआ। मूंगफली तेल 89 रुपये सस्ता हुआ। पाम ऑयल और वनस्पति की कीमत भी 28-28 रुपये टूट गयी। सोया तेल 22 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव 22 रुपये प्रति क्विंटल घट गये। चीनी भी पांच रुपये सस्ती हुई।

2.60 लाख करोड़ का बजट पेश, महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने का एलान

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रदेश की महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। मान सरकार ने अपना बजट 2026-27 पेश किया। वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने बजट भाषण के दौरान मावां-धीयां सत्कार योजना का एलान किया। इस योजना के तहत पंजाब की 97 प्रतिशत महिलाओं को हर महीने आर्थिक सहायता राशि दी जाएगी। इस योजना के तहत महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये की राशि मिलेगी। खास बात यह है कि सरकार ने अनुसूचित जाति समुदाय की महिलाओं को 500 रुपये अधिक देने का एलान किया है। यानि एससी वर्ग कि महिलाओं को 1500 रुपये मिलेंगे। पंजाब सरकार की मावां-धीयां सत्कार योजना के तहत 18 वर्ष से अधिक आयु की प्रत्येक महिला इस योजना के तहत पंजीकरण के लिए पात्र होंगी। यहां तक कि मौजूदा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं, जैसे वृद्धावस्था पेंशन या विधवा/निराश्रित महिला पेंशन या विकलांगता पेंशन योजना के तहत पंजीकृत महिलाएं भी इस योजना के तहत पात्र होंगी। वहीं मौजूदा या पूर्व स्थायी सरकारी कर्मचारी, मौजूदा और पूर्व सांसद/विधायक और आयकर दाता इस योजना में शामिल नहीं होंगी। कुल मिलाकर, पंजाब की लगभग 97% वयस्क महिलाएं इस योजना के तहत पात्र होंगी। इसके लिए 9300 करोड़ बजट का प्रावधान किया गया है।

महिलाओं के लिए मुफ्त बस सफर, 600 करोड़ रुपये का बजट

इसके अलावा पंजाब में महिलाओं के लिए मुफ्त बस सफर जारी रहेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि पंजाब रोडवेज, पीआरटीसी और पनबस के बेड़े में 1,279 नई बसें शामिल की जाएंगी। महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा योजना के अलावा, सरकार राज्य में सार्वजनिक परिवहन की पहुंच को और बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। विशेष रूप से अविकसित क्षेत्रों और भीड़भाड़ वाले मार्गों पर। वर्तमान में 2,267 बसें परिचालन में हैं और सरकार खरीद और पट्टे के सुमेल के माध्यम से मौजूदा बेड़े में 1,279 नई बसें जोड़ेगी। कुछ नई बसें पहले से ही चालू हैं और शेष नवंबर 2026 तक चालू हो जाएंगी। महिलाओं के मुफ्त बस सफर योजना के लिए 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

तीर्थयात्रा की सुविधा के लिए 312 करोड़ रुपये का प्रावधान

सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना शुरू की है। इसके तहत श्री अमृतसर साहिब और श्री आनंदपुर साहिब के प्रमुख धार्मिक स्थलों की मुफ्त तीर्थयात्रा प्रदान की जाएगी। लगभग 7.15 लाख नागरिकों की तीर्थयात्रा की सुविधा के लिए 312 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा सरकार ने श्री गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती को राजकीय समारोह के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

खेलों के लिए 1,791 करोड़ रुपये के बजटः पंजाब के हर गांव के खेल मैदान बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार की तरफ से स्थानीय युवा क्लब को एक खेल किट प्रदान करेगी जिसमें क्रिकेट, वॉलीबॉल और फुटबॉल के उपकरण शामिल होंगे। ग्रामीण खेलों को बढ़ावा देने के अलावा, पहाड़ी क्षेत्रों में एडवेंचर स्पोर्ट्स शिविर पीपीपी मोड पर विकसित किए जाएंगे, जिससे पेशेवर और टिकाऊ प्रबंधन सुनिश्चित करते हुए एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए संरचित अवसरों का विस्तार होगा। खेलों के लिए1,791 करोड़ रुपये के बजट का प्रस्ताव है।

ख़ालिदा ज़िया को मिला 'श्रेष्ठ अजेय महिला' का पुरस्कार मिला

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की पूर्व अध्यक्ष खालिदा ज़िया को लोकतंत्र को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका के लिए 'श्रेष्ठ अजेय महिला' सम्मान से नवाज़ा गया है। उनकी तरफ से उनकी पोती ज़ैमा रहमान ने यह पुरस्कार स्वीकार किया। सुश्री ज़िया की बहू जुबैदा रहमान भी आयोजन में मौजूद रहीं। मोहम्मद शहाबुद्दीन ने रविवार सुबह 11 बजे उस्मानी मेमोरियल ऑडिटोरियम में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम में ज़ैमा रहमान को यह पुरस्कार दिया। इस साल पांच और महिलाओं को भी यह पुरस्कार दिया गया। नुरुन नाहर अख्तर को अर्थ श्रेणी में सम्मान मिला, जबकि बबीता खातून को 'शिक्षा एवं रोज़गार में सफलता पाने वाली महिलाओं' की श्रेणी में पहचान मिली। नूरबानू कबीर को 'सफल मां' श्रेणी में, शमला बेगम को 'जुल्म को हराकर ज़िंदगी की लड़ाई जीतने वाली महिलाएं' श्रेणी में, और अफ़रोज़ा यास्मीन को 'सामाजिक विकास में शानदार योगदान देने वाली महिलाएं' श्रेणी में सम्मानित किया गया।

बहरीन का दावा : ड्रोन हमले में जल शुद्धीकरण संयंत्र क्षतिग्रस्त

मनामा। बहरीन के गृह मंत्रालय ने कहा है कि ईरानी ड्रोन हमले के कारण बहरीन के एक जल शुद्धीकरण संयंत्र को नुकसान पहुंचा है। यह घटना ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के उस बयान के एक दिन बाद हुई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका ने दक्षिणी ईरान के क़ेश्म द्वीप पर एक जल शुद्धीकरण संयंत्र पर हमला किया है, जो अपने आप में एक 'मिसाल' है। बहरीन के इस बयान के बाद ईरान की ओर से फिलहाल कोई तत्काल प्रतिक्रिया सामने नहीं आयी है। खाड़ी के अधिकतर देश अपने निवासियों की खपत के लिए मुख्य रूप से जल शुद्धीकरण पर ही निर्भर हैं। बहरीन ने कहा है कि एक ईरानी ड्रोन ने जल शुद्धीकरण संयंत्र पर हमला किया। पिछले नौ दिनों से जारी युद्ध के दौरान यह पहली बार है, जब किसी अरब देश ने ईरान की ओर से जल शुद्धीकरण संयंत्र को निशाना बनाये जाने का दावा किया है। यह घटना तब हुई है, जब ईरानी अधिकारियों ने कहा था कि अमेरिका ने देश के दक्षिणी द्वीप क़ेश्म में ईरान के जल शुद्धीकरण संयंत्र को निशाना बनाया है। ठखाड़ी देशों में प्राकृतिक मीठे पानी के संसाधन अत्यंत सीमित हैं। इस कारण पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए वे ऊर्जा-गहन समुद्री जल विलवणीकरण पर निर्भर रहते हैं।

नेपाल में जेन-जी प्रदर्शन पर बड़ा खुलासा, 76 लोगों की मौत के पीछे सरकार की लापरवाही

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में पिछले साल सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन और हिंसा की जांच करने वाले एक उच्च स्तरीय आयोग ने अपनी रिपोर्ट अंतरिम सरकार को सौंप दी। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि उस समय की सरकार की खराब शासन व्यवस्था और प्रशासन की अक्षमता ही इस पूरे हिंसक घटनाक्रम की बड़ी वजह थी। यह रिपोर्ट आयोग के अध्यक्ष और नेपाल के पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज गौरी बहादुर कार्की ने अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को सिंहदरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में सौंपी। हालांकि रिपोर्ट सौंपते समय आयोग और सरकार ने यह नहीं बताया कि प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने के लिए किन लोगों को जिम्मेदार ठहराया गया है। सितंबर 2025 में हुए इस आंदोलन के दौरान दो दिनों में कुल 76 लोगों की मौत हो गई थी। पहले दिन यानी 8 सितंबर को 22 युवाओं की जान गई, जबकि अगले दिन 54 और लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद नेपाल की राजनीति में भारी उथल-पुथल मच गई थी।

'अंतरराष्ट्रीय कानून लगभग खत्म': पश्चिम एशिया में संघर्ष पर रूस की दो टूक, वैश्विक सुरक्षा को खतरे में बताया

मॉस्को। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब नौवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब रूस का भी बयान सामने आया है। बढ़ते संघर्ष और हमलों पर मॉस्को ने चिंता जताते हुए कहा कि इस संघर्ष के बाद ऐसा लग रहा है कि अंतरराष्ट्रीय कानून अब वास्तव में मौजूद नहीं है।रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने क्षेत्र की बढ़ती अस्थिरता और वैश्विक सुरक्षा पर इसके गंभीर प्रभाव को लेकर चिंता जताई है। पेस्कोव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून कानूनी तौर पर तो मौजूद है , लेकिन वास्तविकता में यह काम नहीं कर रहा। यह पूरी तरह से खतरे में है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने आगे कहा कि हम किसी से नहीं कह सकते कि अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करें, किस कानून का पालन करें? आज कोई भी इसे स्पष्ट रूप से नहीं बता सकता। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया की स्थिति काफी अस्थिर हो गई है और क्षेत्रीय संघर्षों और अनसुलझे मुद्दों का असर अब राजनीतिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर दिख रहा है। इसके साथ ही अपने बयान में पेस्कोव ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के उस प्रस्ताव को दोहराने की जरूरत बताई।

अफगानिस्तान: पाकिस्तानी सेना ने सरहदी कस्बे तोरखम पर बरसाए बम, कई दुकानें जलकर खाक

एजेंसी

काबुल। पाकिस्तानी सेना के बड़े हमले के बाद अफगानिस्तान के तोरखम इलाके स्थित एक कमर्शियल मार्केट में आग लग गई, जिससे बिजनेस और प्रॉपर्टी को काफी नुकसान पहुंचा है, लोकल मीडिया ने अधिकारियों के हवाले से यह खबर दी। खामा प्रेस ने बख्तावर न्यूज एजेंसी के हवाले से बताया कि तोरखम के मेयर मावलवी अब्दुल्ला मुस्तफा ने कहा कि रविवार सुबह करीब 4 बजे (स्थानीय समयानुसार) शहर की तरफ कई गोले दागे गए, जो एक बाजार में जाकर गिरे। इससे आग लग गई और तेजी से कई दुकानों में फैल गई, जिससे फायरफाइटर्स और लोगों को मिलकर आग पर काबू पाना पड़ा। अधिकारियों ने कहा कि आग पर काबू पाने के लिए चार फायर ट्रक, म्युनिसिपल वॉटर टैंकर और स्थानीय लोगों को लगाया गया था। मार्केट

कॉम्प्लेक्स के मालिक के मुताबिक, आग में 150 से ज्यादा दुकानें जल गईं, जिससे अफगानिस्तान को करीब 300 मिलियन का आर्थिक नुकसान होने का अनुमान है। तोरखम बॉर्डर क्रॉसिंग सबसे बिजी ट्रेड रोड में से एक है और दोनों देशों के बीच सामान और लोगों की आवाजाही में अहम भूमिका निभाता है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ती झड़पें और लोगों के मारे जाने के दावों से दोनों देशों के बीच रिश्ते खराब होते जा रहे हैं। खामा प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने रिहायशी इलाकों में लोगों की ज्यादा सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि बॉर्डर पार से लगातार हो रही हिंसा से पहले से ही बॉर्डर इलाके में रोजी-रोटी और आर्थिक गतिविधियों को खतरा है। इससे पहले अफगान अधिकारियों ने दावा किया कि तालिबान सेनाओं ने डूरंड लाइन बॉर्डर पर हुई झड़पों के दौरान 30 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया। स्थानीय मीडिया ने रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से यह जानकारी दी। तालिबान रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्लाह ख्वारजमी ने कहा कि लड़ाई अफगानिस्तान के कंधार प्रांत के शोराबक जिले में हुई, जहां तालिबान लड़ाकों ने कथित तौर पर एक पाकिस्तानी मिलिट्री चौकी पर कब्जा कर लिया।

पाकिस्तान का दावाः ऑपरेशन 'गजब लिल-हक' में 583 अफगान लड़ाके मारे गए, तालिबान की कई चौकियां और हथियार तबाह

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव दिन-प्रतिदिन और भयावह रूप लेता जा रहा है। इसी बीच पाकिस्तान ने दावा किया है कि सीमा पर चल रहे सैन्य अभियान में उसके सुरक्षा बलों ने 583 अफगान तालिबान लड़ाकों को मार गिराया है। यह जानकारी पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों में दी गई। बता दें कि पाकिस्तान ने 26 फरवरी को 'ऑपरेशन गजब लिल-हक' शुरू किया था। यह अभियान तब शुरू किया गया जब अफगान तालिबान ने सीमा के पास पाकिस्तान के 53 ठिकानों पर हमले किए थे।

इसके बाद पाकिस्तान की सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए सीमा क्षेत्रों में बड़ा सैन्य अभियान शुरू किया। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए बताया कि इस ऑपरेशन में अब तक 583 तालिबान लड़ाके मारे गए हैं और 795 घायल हुए हैं।

तरार ने यह भी बताया कि अभियान के दौरान पाकिस्तान की सेना ने तालिबान की 242 चौकियों को नष्ट कर दिया, जबकि 38 चौकियों पर कब्जा करने के बाद उन्हें भी ध्वस्त कर दिया गया। सरकार के मुताबिक इस कार्रवाई में तालिबान के कई सैन्य उपकरण भी नष्ट किए गए हैं। इनमें 213 टैंक, बख्तरबंद वाहन और तोपें शामिल हैं। इसके अलावा अफगानिस्तान के अंदर 64 स्थानों को हवाई हमलों के जरिए निशाना बनाया गया।

ईरान में 400 से ज्यादा ठिकानों पर की एयर स्ट्राइक: इजरायल

एजेंसी

तेल अवीव। इजरायली सेना ने दावा किया है कि उसकी वायुसेना ने ईरान में 400 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है। इनमें बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर और हथियार बनाने वाले ठिकानों को निशाना बनाया गया। इजराइली रक्षा बल (आईडीएएफ) के मुताबिक, वायुसेना ने पिछले 24 घंटों में पश्चिमी और मध्य ईरान में कई बड़े हमले किए। इस दौरान मिसाइल लॉन्चर, रक्षा प्रणालियों, हथियार भंडारण केंद्रों और अन्य सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया गया। आईडीएफ के अनुसार यह कार्रवाई ऑपरेशन 'रोरिंग लायन' के तहत की जा रही है। इस ऑपरेशन के दौरान इजराइली वायुसेना अब तक सैकड़ों स्ट्राइक मिशन पूरा कर चुकी है। वहीं, ईरान की राहत संस्था ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी (आईआरसीएस) ने कहा है कि अमेरिका और इजरायल के हमलों में बड़ी संख्या में रिहायशी इमारतें नष्ट हो गई हैं। संगठन के अनुसार अब तक 9,669 नागरिक इकाइयां पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं। संस्था द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 7,943 रेसिडेंशियल और 1,617 कमर्शियल बिल्डिंग को भारी नुकसान पहुंचा है।

रेड क्रिसेंट का कहना है कि इन हमलों से देश के कई शहरों में आम लोगों के घर और व्यापारिक ढांचे पूरी तरह तहस-नहस हो गए हैं। इससे पहले भी संगठन ने बताया था कि हजारों घरों, स्कूलों और स्वास्थ्य सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है।

ईरान की राजधानी तेहरान के 3 तेल भंडारण ठिकानों पर इजरायली ने हमला किया था। जिसके बाद आसमान काले धुएं से पट गया। इसे लोगों की सेहत के लिहाज से भी काफी गंभीर माना जा रहा है। ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने तेल प्लांट में धमाकों के बाद जहरीली बारिश के खतरे की चेतावनी दी है। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी (आईआरसीएस) ने आम लोगों को सावधानी बरतने की चेतावनी दी है। सोसाइटी ने कहा है कि तेल प्लांट में धमाकों के बाद बारिश जहरीली हो सकती है। ऐसी बारिश से स्किन पर केमिकल बर्न हो सकता है और फेफड़ों को नुकसान हो सकता है।

टेलीग्राम पोस्ट में, एजेंसी ने निर्देश दिए कि धमाकों के बाद हुई बारिश के दौरान किसी भी हालत मे अपने घर से न निकलें। अगर बाहर हैं, तो तुरंत कंक्रीट या मेटल की छतों के नीचे पनाह लें और पेड़ों के नीचे पनाह लेने से बचें। वहीं, अगर बारिश स्किन के संपर्क में आती है, तो किसी भी हालत में प्रभावित जगह को रगड़ें नहीं और उसे सिर्फ ठंडे पानी से धोएं।

यूएई पर ईरान का हमला, मरने वालों की संख्या बढ़कर चार

एजेंसी

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात में ईरान के हमलों में अब तक चार लोगों की मौत हो गई है। यूएई के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक मृतकों में पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश के नागरिक शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों के बाद ईरान ने पड़ोसी देशों पर जवाबी कार्रवाई शुरू की। इसी दौरान यूएई में चार विदेशी नागरिकों की मौत हुई। मंत्रालय के अनुसार, अब तक यूएई पर 238 बैलिस्टिक मिसाइल, 1,422 ड्रोन और 8 क्रूज मिसाइल बरसाए गए हैं। उनमें से 1,342 को रोक दिया गया, जबकि 80 ड्रोन देश के इलाके में गिरे। देश ने 17 बैलिस्टिक मिसाइल और 117 ड्रोन का पता लगाया। इनमें से 16 मिसाइल और 113 ड्रोन को इंटरसेप्ट कर लिया गया, जबकि एक मिसाइल और चार ड्रोन समुद्र में गिर गए। आगे बताया गया कि हमलों में मारे गए चार लोग पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश के नागरिक थे। अमीराती, मिस्र, सूडानी, इथियोपियाई, फिलिपिनो,

पाकिस्तानी, ईरानी, भारतीय, बांग्लादेशी, श्रीलंकाई, अजरबैजानी, यमनी, युगांडा, इरिट्रिया, लेबनानी, अफगान, बहरीन, कोमोरियन और तुर्की के 112 लोग मामूली या आंशिक रूप से घायल हुए। रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की है कि वह किसी भी खतरे से निपटने के लिए हाई अलर्ट पर हैं और पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा को कमजोर करने वाली हर परेशानी का डटकर सामना करने के लिए तत्पर हैं ताकि उसकी संप्रभुता, सुरक्षा और स्थिरता बनी रहे, और उसके हितों और राष्ट्रीय क्षमताओं की रक्षा हो सके। इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने इजरायल के तेल अवीव और बेर्शेबा शहरों में सैन्य ठिकानों पर मिसाइल हमले किए हैं। संगठन का कहना है कि जॉर्डन में एक अमेरिकी एयरबेस पर भी कई बार हमला किया गया है। आईआरजीसी ने यह भी दावा किया कि जॉर्डन के अजरक शहर स्थित मुवाफ्फक अल-सल्ती एयरबेस को निशाना बनाया गया। ईरान के मुताबिक यह अमेरिकी लड़ाकू विमानों का सबसे बड़ा और सक्रिय आक्रामक बेस है।

तेहरान का आसमान हुआ काला, जहरीली बारिश से बचने की लोगों को दी गई सलाह

एजेंसी

तेहरान। ईरान की राजधानी का आसमान काले धुएं के गुबार में डूब गया है। हवा जहरीली हो गई है, और यह आम लोगों की जान के लिए आफत का सबब बन सकती है। ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने लोगों को जहरीली एसिड रेन से बचने की चेतावनी दी है। दरअसल, तेहरान और उसके आसपास के तेल ठिकानों को निशाने पर ले स्ट्राइक की गई थी। विस्फोट के बाद आग लगी, जिसकी लपटें काफी ऊपर तक जा रही थीं। तेहरान की आबादी लगभग 10 मिलियन है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, ऐसा शायद पहली बार है जब युद्ध में किसी सिविल इंडस्ट्रियल जगह को निशाना बनाया गया है। हालांकि, ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी के अनुसार, यूएस और इजरायली हमलों से देश भर में लगभग 10,000 सिविलियन स्ट्रक्चर को नुकसान हुआ है। उन्होंने

कहा है कि तेल प्लांट में धमाकों के बाद बारिश जहरीली हो सकती है। ऐसी बारिश से स्किन पर केमिकल बर्न हो सकता है और फेफड़ों को नुकसान हो सकता है। टेलीग्राम पोस्ट में कुछ दिशा निर्देश जारी किए। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, ग्रुप ने लोगों को तेल की जगहों पर लगी आग से होने वाले खतरों के बारे में चेतावनी दी और लोगों से कहा कि वे जहरीले प्रदूषित पदार्थों से बचने के लिए जहां तक ??हो सके घर के अंदर रहें। इसमें कहा गया कि जहरीली एसिड रेन की चिंता के कारण स्थानीय लोगों को बारिश के बाद बाहर नहीं जाना चाहिए, और सलाह दी कि अगर किसी ने काले धुएं से निकलने वाले कणों को सांस के जरिए अंदर ले लिया हो, तो उन्हें नमकीन पानी से गरारे करने चाहिए।

एक्स पोस्ट पर कुछ वीडियो और तस्वीरें पोस्ट की गई हैं, जिनमें आग का भयानक रूप देखने को मिल रहा है। हमलों से तबाह हुए तेल डिपो से तेल का रिसाव तेहरान के कुछ सीवेज सिस्टम में लीक हो गया है, जिससे ईरानी राजधानी की सड़कों के किनारे 'आग की नदी' बन गई है। इससे पहले, ईरानी तेल मंत्रालय ने पुष्टि की कि तेहरान के पश्चिम में अल्बोर्ज प्रांत के करज शहर समेत तीन इलाकों में फ्यूल डिपो पर हमला हुआ था।

अमेरिका में ईरानी नेतृत्व के खिलाफ एक रैली के दौरान अपनी दोस्त को पकड़े हुए महिला।

होर्मुज स्ट्रेट में डूबी टगबोट: इंडोनेशिया के 3 क्रू सदस्य लापता

एजेंसी

जर्काता। होर्मुज स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) में टगबोट मुसाफ्फा 2 के डूबने की खबर आई। इस हादसे में इंडोनेशिया के तीन क्रू मेंबर्स के लापता होने की सूचना है। इंडोनेशिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। इंडोनेशिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा है कि शुक्रवार को होर्मुज स्ट्रेट में संयुक्त अरब अमीरात के झंडे वाली टगबोट मुसाफ्फा 2 के डूबने के बाद इंडोनेशिया के क्रू के तीन सदस्य लापता हैं। इसमें कहा गया, 'एक इंडोनेशियाई नागरिक जो बच गया है, उसका अभी ओमान के खासाब शहर के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। वह हादसे में झुलस गया था, वहीं बाकी तीन इंडोनेशियाई नागरिकों को अभी भी स्थानीय अधिकारी ढूंढ रहे हैं। बयान में कहा गया है कि डूबने से पहले, मुसाफ्फा 2 में एक धमाका हुआ, जिसके बाद आग लग गई थी। स्थानीय अधिकारी जांच कर रहे हैं। होर्मुज स्ट्रेट्स के आसपास के इलाके

में हमला झेलने वाले जहाजों में से एक की मदद के लिए भेजा गया टगबोट भेजा गया था जिस पर अचानक हमला हुआ। कई क्रू मेंबर्स के मिसाइल हमले में मारे जाने की आशंका जताई गई थी। यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया था कि उन्हें ओमान के उत्तर में छह नॉटिकल मील दूर एक टग पर हमले की रिपोर्ट किसी तीसरे पक्ष से मिली थी। उन्होंने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।कई सिक्योरिटी कंसल्टेंट्स ने इस टग की पहचान यूएई के झंडे वाले मुसाफ्फा 2 के तौर पर की थी। 2012 में बना यह जहाज 134 ग्रॉस टन का था और इसकी लंबाई 26 मीटर (85 फीट) है। माना जा रहा है कि टग यूएई के कंट्रोल वाले खराब कंटेनरशिप सफीन प्रेस्टीज की मदद को जा रहा था। उस जहाज पर बुधवार को हमला हुआ था और ओमान के तट से दूर इंजन रूम में आग लगने की खबर थी। बता दें, अमेरिका और इजरायल के साथ जारी सैन्य संघर्ष और मिडिल ईस्ट में बढ़ते टकराव के बीच ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने सोमवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (जलडमरूमध्य) को पूरी तरह बंद करने की घोषणा कर दी थी। सेना ने चेतावनी दी कि इस रास्ते से गुजरने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को जला दिया जाएगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के महत्वपूर्ण ऊर्जा केंद्रों में से एक है, जो वैश्विक तेल खपत का लगभग पांचवां हिस्सा है; ये फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है। इसी संकरे रास्ते से होकर सऊदी अरब, कुवैत, इराक, कतर, बहरीन और यूएई का तेल और गैस अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचता है। हालांकि, सऊदी अरब और यूएई के पास कुछ वैकल्पिक पाइपलाइन मार्ग हैं, लेकिन अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुसार, होर्मुज से गुजरने वाले अधिकांश ऊर्जा भंडार के पास क्षेत्र से बाहर निकलने का कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

ट्रंप का दावा, ईरान ने किया था मिनाब में बालिकाओं के स्कूल पर हमला

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के मिनाब शहर में एक स्कूल पर हुए हमले में अमेरिका की जिम्मेदारी से इनकार करते हुए कहा है कि इसे ईरान ने खुद अंजाम दिया था। इस हमले में 175 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें अधिकांश बच्चे बताए जा रहे हैं। श्री ट्रंप ने कहा कि उनकी राय में यह हमला ईरान की एक त्रुटिपूर्ण मिसाइल के कारण हुआ हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि सीएनएन, न्यू यॉर्क टाइम्स और वॉशिंगटन पोस्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों की जांच में अलग निष्कर्ष सामने आए हैं। रिपोर्टों के अनुसार उपग्रह चित्रों और अन्य दृश्य प्रमाणों के आधार पर यह संभावना जतायी गयी है कि 28 फरवरी को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के दौरान दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर में स्थित एक लड़कियों के प्राथमिक विद्यालय को निशाना बनाया गया। श्री ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या अमेरिका इस हमले के लिए जिम्मेदार है, तो उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार यह हमला ईरान द्वारा किया गया था।इस दौरान अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से भी इस विषय पर सवाल किया गया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और यह भी आरोप लगाया कि नागरिकों को निशाना बनाने वाला पक्ष ईरान है। श्री ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के हथियार सटीक नहीं होते और संभव है कि उसी कारण यह घटना हुई हो। यह घटना 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच युद्ध में अब तक का सबसे घातक एकल हमला मानी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे बच्चों, शिक्षा और पूरे समुदाय के भविष्य पर गंभीर हमला बताया है और कहा है कि नागरिकों को कभी भी युद्ध में 'दुष्प्रभाव' के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

नेपाल में हुए जेन-जी आंदोलन की जांच रिपोर्ट आयोग ने प्रधानमंत्री को सौंपी

एजेंसी

काठमांडू। पिछले साल 8 और 9 सितंबर को हुए जेन जी प्रदर्शन के दौरान हुई मौतों और नुकसान की जांच के लिए गठित उच्च स्तरीय आयोग ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट प्रधानमंत्री सुशीला कार्की को सौंप दी। पूर्व न्यायाधीश गौरी बहादुर कार्की के नेतृत्व वाले इस जांच आयोग की मुख्य रिपोर्ट 900 से अधिक पन्नों की बताई गई है। आयोग के सदस्य और नेपाल पुलिस के पूर्व डीआईजी विज्ञानराज शर्मा के अनुसार रिपोर्ट के साथ कई अनुसूचियां और दस्तावेज भी शामिल हैं, जिससे कुल दस्तावेज का आकार 8,000 से 10,000 पन्नों के बीच है। रिपोर्ट सौंपने के बाद शर्मा ने कहा कि आयोग ने 8 और 9 सितंबर की घटनाओं की विस्तृत जांच की और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपनी राय और सिफारिशें दी हैं। उन्होंने कहा कि अब यह रिपोर्ट सरकार के पास है। शर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृह मंत्री रमेश लेखक के संबंध में आयोग की सिफारिशों का खुलासा नहीं किया। उन्होंने कहा कि आयोग ने आवश्यक कार्रवाई की सिफारिश की है, लेकिन उसे लागू करना सरकार की जिम्मेदारी है। आयोग के सदस्य शर्मा ने बताया कि आंदोलन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में कुछ कमजोरियां भी सामने आईं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुवैत में मारे गए छह सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

वाशिंगटन। ईरान के साथ संघर्ष के दौरान 1 मार्च को एक ड्रोन हमले में अमेरिकी सेना के छह सैनिक मारे गए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डोवर एयर फोर्स बेस पर अमेरिकी झंडे में लिपटे इन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने जान गंवाने वाले इन सैनिकों को सैल्यूट किया। ईरान के साथ अमेरिका और इजरायल के तनाव के बीच कुवैत में छह अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई, जिसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप स्थानीय समयानुसार श्रद्धांजलि देने के लिए डेलावेयर के डोवर एयर फोर्स बेस पर एक ट्रांसफर सेरेमनी में शामिल हुए। राष्ट्रपति ट्रंप दोपहर 3:09 बजे (स्थानीय समयानुसार) पर फ्लाइट लाइन पर आए। यह प्रक्रिया दोपहर 3:41 बजे 'फ्लाइट लाइन डिसमिस्ड' के नारे के साथ खत्म हुई। ट्रंप ने नेवी रंग का सूट और लाल टाई पहनी थी, इसके साथ ही एक सफेद बॉल कैप भी थी जिस पर सुनहरे अक्षरों में 'यूएसए' लिखा था। जब मिलिट्री ऑनर गार्ड हर ट्रांसफर केस को एयरक्राफ्ट से ले जा रहा था, तो उन्होंने सैल्यूट किया।

अधिकारियों की अगली लाइन में ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उषा वेंस शामिल थे। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ और संयुक्त चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन पास में खड़े थे। दूसरी लाइन में व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूजी विल्स, खास दूत स्टीव विटकॉफ और अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी थे। नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड और आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल भी मौजूद थे। इसके अलावा, अमेरिकी आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज भी मौजूद

थे। कांग्रेस के सदस्य और राज्य के अधिकारी मारे गए सैनिकों के परिवारों से मिलने गए। मौजूद लोगों में सीनेटर लिसा ब्लंट रोचेस्टर, जोनी अर्न्स्ट, डेब फिशर और पीट रिकेट्स के साथ-साथ फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस, नेब्रास्का के जिम पिलेन और आयोवा के किम रेनॉल्ड्स भी शामिल थे।

मारे गए छह सैनिकों के परिवार वाले एयरलाइन के पास खड़े थे, जब एक-एक करके ट्रांसफर केस किए जा रहे थे। इन सैनिकों की पहचान मेजर जेफरी आर. ओ'ब्रायन, इंडियनोला, आयोवा; कैप्टन कोडी ए. खोर्क, विंटर हेवन, फ्लोरिडा; चीफ वारंट ऑफिसर 3 रॉबर्ट एम. मार्जन, सैक्रामेंटो, कैलिफोर्निया; सार्जेंट फर्स्ट क्लास निकोल एम. अमोर, व्हाइट बेयर लेक, मिनेसोटा; सार्जेंट फर्स्ट क्लास नोआ एल. टिटजेंस, बेलेव्यू, नेब्रास्का; और सार्जेंट डेक्लान जे. कोडी, वेस्ट डेस मोइनेस, आयोवा के रूप में हुई।

ज्यादातर सैनिक डेस मोइनेस, आयोवा में मौजूद 103 सस्टेनमेंट कमांड में तैनात थे। अधिकारियों ने कहा कि छह सैनिक कुवैत के पोर्ट शुआइबा में एक तनाव वाली घटना में मारे गए थे। डोवर एयर फोर्स बेस के अधिकारियों के अनुसार, शहीद सैनिकों के पार्थिव शरीर को बेस तक लाने के लिए 'ट्रांसफर केस' का उपयोग किया जाता है। उल्लेखनीय है कि ये 'ट्रांसफर केस' ताबूत नहीं होते हैं। जब किसी सैनिक की औपचारिक पहचान पूर्ण हो जाती है और उसे परिजनों को सौंपने के लिए तैयार कर लिया जाता है, तब उसके अवशेषों को एक ताबूत में रखकर उनकी अंतिम विदा के लिए भेजा जाता है। डोवर में इस पूरी प्रक्रिया को 'समारोह' के बजाय एक 'गंभीर और गरिमामय प्रक्रिया' के रूप में परिभाषित किया गया है। डोवर एयर फोर्स बेस विदेशों में शहीद हुए अमेरिकी सैन्य कर्मियों की घर वापसी का मुख्य केंद्र है।

page 1 and 8 mar 10_page 1 Mar 25 final ds.qxd 3/9/2026 11:47 PM Page 2

मिश्रित खेती

आजकल के युग में खेती योग्य भूमि पर जनसंख्या का बोझ दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में मिश्रित खेती अपना कर किसान प्रति इकाई भूमि से अधिक उत्पादन ले सकते हैं। हमारे देश में कृषिगत क्षेत्र का लगभग 65 प्रतिशत भाग वर्षा पर आधारित है।

प्राकृतिक आपदा जैसे अनावृष्टि के कारण-सूखा या अतिवृष्टि के कारण बाढ़ के फलस्वरूप बहुधा फसलें बिलकुल नष्ट हो जाती हैं। इस प्रकार की परिस्थिति में आर्थिक दृष्टिकोण से मिश्रित खेती सुरक्षा कवच का काम करती है।

जब एक बार में एक से अधिक फसल एक जगह पर उगाया जाती है तो उसे मिश्रित फ़सल कहते हैं। पूराने समय से ही मिश्रित फसलों की खेती हमारी कृषि प्रणाली का एक अभिन्न अंग रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुफसलीय खेती की संकल्पना मौसम की विपरीत परिस्थितियों में फसल सुरक्षा के लिए की थी।

क्योंकि जब एक खेत में एक ही साथ दो-या-दो से अधिक फसलें उगाई जाती हैं तो यह संभावना होती है कि अगर कोई फसल मौसम की असामान्यता के कारण नष्ट हो जाए तब भी दूसरी या तीसरी फसल बच सकती है। ऐसे में उस विषम परिस्थिति में भी खेत से लाभ प्राप्त किया जा सकता है। सिन्धु घाटी की सभ्यता के एक प्रमुख स्थल कालीबंगा से मिले जुताई के कूड़ों से पता चला है कि उस समय भी कई फसलों को एक साथ मिला कर खेती की जाती थी। मोहनजोदड़ो में गेहूं, जौ तथा चना की खेती एक साथ मिला कर की जाती थी।

सभी फसलों की वृद्धि का क्रम, उनकी जड़ों की गहराई और उनके पोषक तत्वों की आवश्यकता अलग-अलग होती है।

ऐसे में दो ऐसी फसलें जैसे आलू + मक्का, हल्दी + अरहर, मूंगफली + अरहर, जिनमें एक उथली जड़ वाली और दूसरी गहरी जड़ वाली हों, तो दोनों मिट्टी की अलग-अलग सतहों से नमी एवं पोषक तत्वों का भरपूर अवशोषण तथा उपयोग करती हैं और इस प्रकार जल एवं पोषक तत्वों के उपयोग की क्षमता बढ़ने से उनकी उपज बढ़ जाती है।

वहीं कुछ फसलों की उपस्थिति उसकी सहयोगी फसल को कीड़ों के आक्रमण से बचाती है। जैसे मक्का की फसल में ज्वार, लाल मिर्च में सौंफ तथा चना की फसल में धनिया की मिश्रित खेती कुछ ऐसे ही उपयोगी उदाहरण हैं।

सिंचित क्षेत्र के लिए मिश्रित फसल प्रणाली

रबी मक्का + आलू, आलू + बाकला, रबी मक्का + राजमा (मैदानी क्षेत्रों के लिए) रबी मक्का + धनिया (हरी पत्तियों के लिए), शरदकालीन गन्ना+ मिर्च, गन्ना + धनिया, गन्ना+मगरैला, गन्ना+ लहसुन, गन्ना+ आलू, गन्ना+गेहूं, गन्ना+अजवाइन, गन्ना+मसूर, बसन्त कालीन गन्ना+भिण्डी, गन्ना+मूंग? गन्ना+उड़द, प्याज+अजवाइन, प्याज+भिण्डी, प्याज+मिर्च, सौंफ+मिर्च

असिंचित क्षेत्र के लिए मिश्रित फसल प्रणाली

बाजरा+ मूंग, बाजरा+अरहर, मक्का+उड़द, गेहूं+चना, जौ+चना, जौ + मटर, ज्वार+ अरहर और गेहूं+मटर

अनाज के फसलों का तिलहन फसलों के साथ मिश्रण

गेहूं+सरसों, जौ+ सरसों, गेहूं+अलसी, जौ+अलसी

दलहन फसलों का दलहन और तिलहन फसलों के साथ मिश्रण

अरहर+मूंग, अरहर+उड़द, अरहर+मूंगफली, चना+ अलसी, चना + सरसों, मटर+सरसों, मटर+ कुसुम

दो से अधिक फसलों का मिश्रण

ज्वार+अरहर+मूंग , बाजरा+अरहर+मूंग, ज्वार+अरहर+उड़द, जौ+मटर+ सरसों, चना+ सरसों+ अलसी, चना+अलसी+कुसुम और गेहूं+चना+सरसों

आइए यहां हम आपको कुछ फसलों के साथ मिश्रित फसल खेती की पूरी प्रक्रिया की जानकारी विस्तृत रुप से देते हैं।

सबसे पहले जून महीने के तीसरे-चौथे सप्ताह तक खेत में पड़ा कूड़ा-करकट साफ कर देते हैं। उसके बाद बारिश होने के बाद खेत की पहली जुताई ट्रैक्टर से कराते हैं। फिर दो से तीन जुताई हल से और ट्रैक्टर से करते हैं।

ऐसी फसल बोने को प्राथमिकता देते हैं, जिनमें पानी की आवश्यकता कम हो। साथ ही एक फसल चक्र पूरा होने के बाद दूसरे फसल चक्र में अलग फसलों की बुवाई करते हैं। प्रतिवर्ष फसल बदल-बदल कर बोते हैं, जिससे खेत को पर्याप्त पोषक तत्व व नमी मिलती रहे।

घर पर संरक्षित व सुरक्षित देशी बीजों का प्रयोग करते हैं।

बीज की मात्रा

एक एकड़ खेत में मिश्रित बुवाई करने के लिए अरहर 5 किलोग्राम, बाजरा 2 किलोग्राम, मूंग 2 किलोग्राम और तिल डेढ़ किलोग्राम को मिलाकर बुवाई करते हैं।

बुआई का समय और तरीका

अगस्त महीने के पहले हफ्ते में छिटकवा विधि से बुवाई करते हैं। इसके लिए खेत की आखिरी जुताई ट्रैक्टर से करने के पश्चात् 3 से 5 इंच की गहराई पर इसकी बुवाई ट्रैक्टर की सहायता से सीडड्रिल मशीन से ही कराते हैं।

एक एकड़ हेतु एक ट्राली देशी खाद की आवश्यकता होती है, जिसे पहली जुताई के समय खेत में मिला दिया जाता है। किसान चाहे तो जीवामृत का भी प्रयोग कर सकते हैं।

फसल की बढ़वार होती रहे, इसके लिए समय-समय पर खेत की निराई की जाती है। इससे एक तरफ तो हमारा खेत साफ रहता है और दूसरी तरफ जानवरों के लिए चारा भी उपलब्ध हो जाता है।

बाजरा, मूंग व तिल के पकने की अवधि 60-90 दिनों की होती है, जबकि अरहर 8-9 महीने की फसल ही है, जो मार्च में पक जाती है।

तिल की फसल की कटाई सितम्बर के अंतिम सप्ताह या फिर अक्टूबर के प्रथम सप्ताह तक हो जाती है। तिल की कटाई करके, एक जगह सुखा कर, डण्ठल को हिलाकर इसका बीज झाड़ लिया जाता है।

मूंग की एक-एक फली की तुड़ाई की जाती है। यह तुड़ाई सितम्बर के प्रथम सप्ताह से प्रारम्भ हो जाती है। इसकी कुटाई करके बीज निकाला जाता है।

औषधि के रूप में त्रिफला

त्रिफला एक प्रसिद्ध आयुर्वेदिक रासायनिक फ़ार्मुला है जिसमें अमलकी (आंवला बिभीतक (बहेडा) (Terminalia bellirica) और हरितकी को बीज निकाल कर (1 भाग हरड, 2 भाग बहेड़ा, 3 भाग आंवला) 1-2-3 मात्रा में लिया जाता है। त्रिफला शब्द का शाब्दिक अर्थ है तीन फल।

संयमित आहार-विहार के साथ त्रिफला का सेवन करने वाले व्यक्तियों को हृदयरोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, नेत्ररोग, पेट के विकार, मोटापा आदि होने की संभावना नहीं होती। यह कोई 20 प्रकार के प्रमेह, विविध कुष्ठरोग, विषमज्वर व सूजन को नष्ट करता है। अस्थि, केश, दाँत व पाचन-संस्थान को बलवान बनाता है। इसका नियमित सेवन शरीर को निरामय, सक्षम व फुर्तीला बनाता है। यदि गर्म पानी के साथ सोते समय एक चम्मच ले लिया जाए तो क़ब्ज़ नही रहता।

क्रिया-विधि

न तो सक्रिय कारकों और न ही क्रिया-विधि की खास तौर पर पहचान की गई है। हालांकि, यह सुझाव दिया गया है यह ट्यूमर की बढ़त को नियंत्रि त करने में ईआरके और पी53 सकता हैं।

स्वास्थ्य-संबंधी लाभ

त्रिफला पाचन और भूख को बढ़ाने, लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या में वृद्धि करने और शरीर में वसा की अवांछनीय मात्रा को हटाने में सहायता के लिए इस्तेमाल किया जाता है।मुँह में घुलने पर त्रि ?फला का उपयोग रक्त के जमाव और सिर दर्द को दूर करने के लिए किया जाता है। इसके अन्य फ़ायदों में रक्त शर्करा के स्तरों को बनाए रखने में मदद करना और त्वचा के रंग और टोन में सुधार लाना शामिल हैं।

भारत में एक लोकप्रिय कहावत है, माँ नहीं है? यदि आपके पास त्रिफला है, तो आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है इसका सार यह है कि जिस तरह माँ अपने बच्चों की देखभाल करती है, उसी तरह त्रिफला शरीर के आंतरिक अंगों की देखभाल कर सकता है। त्रिफला की तीनों जड़ीबूटियाँ आंतरिक सफाई को बढ़ावा देती हैं, जमाव और अधिकता की स्थिति को कम करती हैं तथा पाचन एवं पोषक तत्वों के सम्मिलन को बेहतर बनाती हैं।

Puri (2003) में, आंवला के तहत रसायन में इस यौगिक मिश्रण के तीन महत्वपूर्ण घटकों (आमलाकी, हरिताकी और बिभिता की) से जुड़े विवादों, साथ ही आयुर्वेद में इसके उपयोग, इससे बनाई जाने वाली विभिन्न औषधियों और उनके औषधीय और चिकित्सीय गुणों की चर्चा की गई है।

औषधि के रूप में त्रिफला

1..रात को सोते वक्त 5 ग्राम (एक चम्मच भर) त्रिफला चूर्ण हल्के गर्म दूध अथवा गर्म पानी के साथ लेने से कब्ज दूर होती है।

2. .त्रिफला व ईसबगोल की भूसी दो चम्मच मिलाकर शाम को गुनगुने पानी से लें इससे कब्ज दूर होती है।

3. इसके सेवन से नेत्रज्योति में आश्चर्यजनक वृद्धि होती है।

4. सुबह पानी में 5 ग्राम त्रिफला चूर्ण साफ़ मिट्टी के बर्तन में भिगो कर रख दें, शाम को छानकर पी लें। शाम को उसी त्रिफला चूर्ण में पानी मिलाकर रखें, इसे सुबह पी लें। इस पानी से आँखें भी धो ले। मुँह के छाले व आँखों की जलन कुछ ही समय में ठीक हो जायेंगे।

5. शाम को एक गिलास पानी में एक चम्मच त्रिफला भिगो दे सुबह मसल कर नितार कर इस जल से आँखों को धोने से नेत्रों की ज्योति बढती है।

6. एक चम्मच बारीख त्रिफला चूर्ण, गाय का घी10 ग्राम व शहद 5 ग्राम एक साथ मिलाकर नियमित सेवन करने से आँखों का मोतियाबिंद, काँचबिंदु, दृष्टि दोष आदि नेत्ररोग दूर होते हैं। और बुढ़ापे तक आँखों की रोशनी अचल रहती है।

7. त्रिफला के चूर्ण को गौमूत्र के साथ लेने से अफारा, उदर शूल, प्लीहा वृद्धि आदि अनेकों तरह के पेट के रोग दूर हो जाते हैं।

8. त्रिफला शरीर के आंतरिक अंगों की देखभाल कर सकता है, त्रिफला की तीनों जड़ीबूटियां आंतरिक सफाई को बढ़ावा देती हैं।

9. चर्मरोगों में (दाद, खाज, खुजली, फोड़े-फुंसी आदि) सुबह-शाम 6 से 8 ग्राम त्रिफला चूर्ण लेना चाहिए।

10. एक चम्मच त्रिफला को एक गिलास ताजे पानी में दो- तीन घंटे के लिए भिगो दे, इस पानी को घूंट भर मुंह में थोड़ी देर के लिए डाल कर अच्छे से कई बार घुमाये और इसे निकाल दे। कभी कभार त्रिफला चूर्ण से मंजन भी करें इससे मुँह आने की बीमारी, मुंह के छाले ठीक होंगे, अरूचि मिटेगी और मुख की दुर्गन्ध भी दूर होगी।

11. त्रिफला, हल्दी, चिरायता, नीम के भीतर की छाल और गिलोय इन सबको मिला कर मिश्रण को आधा किलो पानी में जब तक पकाएँ कि पानी आधा रह जाए और इसे छानकर कुछ दिन तक सुबह शाम गुड या शक्कर के साथ सेवन करने से सिर दर्द कि समस्या दूर हो जाती है।

12. त्रिफला एंटिसेप्टिक की तरह से भी काम करता है। इस का काढ़ा बनाकर घाव धोने से घाव जल्दी भर जाते है।

13. त्रिफला पाचन और भूख को बढ़ाने वाला और लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या में वृद्धि करने वाला है।

14. मोटापा कम करने के लिए त्रिफला के गुनगुने काढ़े में शहद मिलाकर ले। त्रिफला चूर्ण पानी में उबालकर, शहद मिलाकर पीने से चरबी कम होती है।

15. त्रिफला का सेवन मूत्र-संबंधी सभी विकारों व मधुमेह में बहुत लाभकारी है। प्रमेह आदि में शहद के साथ त्रिफला लेने से अत्यंत लाभ होता है।

16. त्रिफला की राख शहद में मिलाकर गरमी से हुए त्वचा के चकतों पर लगाने से राहत मिलती है।

17. 5 ग्राम त्रिफला पानी के साथ लेने से जीर्ण ज्वर के रोग ठीक होते है।

18. 5 ग्राम त्रिफला चूर्ण गोमूत्र या शहद के साथ एक माह तक लेने से कामला रोग मिट जाता है।

19. टॉन्सिल्स के रोगी त्रिफला के पानी से बार-बार गरारे करवायें।

20. त्रिफला दुर्बलता का नास करता है और स्मृति को बढाता है। दुर्बलता का नास करने के लिए हरड़, बहेडा, आँवला, घी और शक्कर मिला कर खाना चाहिए।

21. त्रिफला, तिल का तेल और शहद समान मात्रा में मिलाकर इस मिश्रण कि 10 ग्राम मात्रा हर रोज गुनगुने पानी के साथ लेने से पेट, मासिक धर्म और दमे की तकलीफे दूर होती है इसे महीने भर लेने से शरीर का सुद्धिकरन हो जाता है और यदि 3 महीने तक नियमित सेवन करने से चेहरे पर कांती आ जाती है।

22. त्रिफला, शहद और घृतकुमारी तीनो को मिला कर जो रसायन बनता है वह सप्त धातु पोषक होता है। त्रिफला रसायन कल्प त्रिदोषनाशक, इंद्रिय बलवर्धक विशेषकर नेत्रों के लिए हितकर, वृद्धावस्था को रोकने वाला व मेधाशक्ति बढ़ाने वाला है।

गोबर से बनने वाले उत्पाद

गाय के गोबर के कई उपयोग बताए जाते हैं। कुछ लोग इसे वैज्ञानिक नहीं मानते हैं और कुछ लोग मानते हैं। हालांकि गाय के गोबर के उपयोग के बारे में कई तरह की बातें हैं और कई प्रकार से इसका उपयोग करने को लेकर किताबें भी लिखी गई है। गाय का दूध और गाय के गौमूत्र के उपयोग तो सभी जानते हैं। गाय के गोबर का चर्म रोगों में उपचारीय महत्व सर्वविदित है। प्राचीनकाल में मकानों की दीवारों और भूमि को गाय के गोबर से लीपा-पोता जाता था। यह गोबर जहां दीवारों को मजबूत बनाता था वहीं यह घरों पर परजीवियों, मच्छर और कीटाणुओं के हमले भी रोकता था। आज भी गांवों में गाय के गोबर का प्रयोग चूल्हे बनाने, आंगन लीपने एवं मंगल कार्यों में लिया जाता है।

जब से छत्तीसगढ़ सरकार ने अपने राज्य में किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए उनसे गोबर की खरीदी करने की गोधन न्याय योजना की शुरुआत की हैं, तब से भारतीय बाजार में गाय के गोबर की मांग बहुत अधिक बढ़ गई है. जिसे लोग कचरा समझ कर फेक देते थे या ऐसे ही छोड़ देते थे, अब वे इसका व्यापार करके पैसा कमाना शुरू कर रहे हैं. बल्कि इससे लोगों ने नये - नये एवं लाभकारी बिज़नेस आइडियाज ढूंढ कर अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर लिया है ताकि उन्हें बहुत लाभ मिल सके. गाय के गोबर से आप क्या - क्या उत्पाद बनाने का व्यवसाय शुरू कर सकते है, इसके कुछ आइडियाज हम यहाँ दे रहे हैं. इस बार जानिए कि गाय के गोबर को कितने तरह से उपयोग में लाया जा सकता है. इसे अंत तक पढ़कर शुरू करें अपना व्यवसाय

गोबर से खाद

सरकार ने जैविक खेती को बढ़ावा दिया है. जैविक खेती में गोबर से बने खाद की मांग काफी बढ़ गई है. आप गोबर से खाद बनाने का भी बिजनेस शुरू कर सकते हैं. गोबर से अच्छी खाद डेढ़ से दो महीने में बनकर तैयार हो जाती है. खेती के लिए भारतीय गाय का गोबर अमृत समान माना जाता था। इसी अमृत के कारण भारत भूमि सहस्त्रों वर्षों से सोना उगलती आ रही है। गोबर फसलों के लिए बहुत उपयोगी कीटनाशक सिद्ध हुए हैं। कीटनाशक के रूप में गोबर और गौमूत्र के इस्तेमाल के लिए अनुसंधान केंद्र खोले जा सकते हैं, क्योंकि इनमें रासायनिक उर्वरकों के दुष्प्रभावों के बिना खेतिहर उत्पादन बढ़ाने की अपार क्षमता है। इसके बैक्टीरिया अन्य कई जटिल रोगों में भी फायदेमंद होते हैं। गौमूत्र अपने आस-पास के वातावरण को भी शुद्ध रखता है। कृषि में रासायनिक खाद और कीटनाशक पदार्थ की जगह गाय का गोबर इस्तेमाल करने से जहां भूमि की उर्वरता बनी रहती है, वहीं उत्पादन भी अधिक होता है। दूसरी ओर पैदा की जा रही सब्जी, फल या अनाज की फसल की गुणवत्ता भी बनी रहती है। जुताई करते समय गिरने वाले गोबर और गौमूत्र से भूमि में स्वतः खाद डलती जाती है। प्रकृति के 99त्न कीट कृषि प्रणाली के लिए लाभदायक हैं। गौमूत्र या खमीर हुए छाछ से बने कीटनाशक इन सहायक कीटों को प्रभावित नहीं करते। एक गाय का गोबर 7 एकड़ भूमि को खाद और मूत्र 100 एकड़ भूमि की फसल को कीटों से बचा सकता है। केवल 40 करोड़ गौवंश के गोबर व मूत्र से भारत में 84 लाख एकड़ भूमि को उपजाऊ बनाया जा सकता है।

बायोगैस, गोबर गैस

गांवों में आजकल गोबर गैस प्लांट लगाए जाने का प्रचलन भी चल पड़ा है। पेट्रोल, डीजल, कोयला व गैस तो सब प्राकृतिक स्रोत हैं, किंतु यह बायोगैस तो कभी न समाप्त होने वाला स्रोत है। जब तक गौवंश है, अब तक हमें यह ऊर्जा मिलती रहेगी। एक प्लांट से करीब 7 करोड़ टन लकड़ी बचाई जा सकती है जिससे करीब साढ़े 3 करोड़ पेड़ों को जीवनदान दिया जा सकता है। साथ ही करीब 3 करोड़ टन उत्सर्जित कार्बन डाई ऑक्साइड को भी रोका जा सकता है। गोबर गैस संयंत्र में गैस प्राप्ति के बाद बचे पदार्थ का उपयोग खेती के लिए जैविक खाद बनाने में किया जाता है।

गोबर से बनाएं कागज

आप गाय के गोबर से कागज बनाने का बिजनेस शुरू कर सकते हैं. गोबर से कागज बनाने प्रयोग सफल हो चुका है. कागज बनाने के लिए गोबर के साथ कागज के टुकड़े का इस्तेमाल किया जाता है. नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीट्यूट में गाय के गोबर से पेपर बनाने की विधि इजाद की गई है. गाय के गोबर से हैंडमेड पेपर तैयार किया जा रहा है. इस पेपर की क वालिटी बहुत अच छी है. इससे कैरी बैग भी तैयार किया जा रहा है. जैसा की प्लासटिक बैग बैन हो रहे हैं, ऐसे में पेपर के कैरी बैग अच्छा विकल्प हैं.

गोबर से पेपर बनाने के प लांट के लिए पा सकेंगे सब्सिडी

आप गोबर से पेपर बनाने के प्लांट के लिए लोन और सब्सिडी पा सकते हैं. 5 लाख रुपये से लेकर 25 लाख रुपये तक में प लांट पेपर प्लांट लगाए जा सकते हैं. गोबर से कागज बनाने वाले प्लांट लगाने में 15 लाख रुपये खर्च होंगे. एक प्लांट से एक माह में 1 लाख कागज के बैग बनाए जा सकते हैं. जिस तरह से मिट्टी एवं सीमेंट के गमले एवं फ्लावर पॉट बनते हैं, जिसमें लोग मिट्टी एवं खाद भरकर उसमें पौधे लगाते हैं, और अपने घर का गार्डन सजाते हैं. आपको बता दें कि ये गमले उसी तरह से गाय के मल यानि कि गोबर से भी बनाए जा सकते हैं. गाय के गोबर से बने गमलों की खास बात यह हैं कि इसमें मिट्टी भरकर यदि आप पौधे लगाते हैं, तो इससे आपके पौधों को कोई हानि नहीं होती है. बल्कि इससे पौधों की वृद्धि तेजी से होती है. और चुकी लोगों को अपना घर सजाने का बहुत शौक होता हैं, इसलिए बाजार में इनकी मांग बढ़ रही है. यदि आपके पास गाय हैं या उसका गोबर हैं, तो इस उत्पाद को बनाकर इसका व्यवसाय करना आपके लिए काफी लाभकारी होगा.

बेहतर फसल उपज पाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज

बेहतर फसल उपज पाने के लिए किसानो को कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने की जरूरत होती हैं जैसे उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज का प्रयोग। क्या आप जानते है की उच्च गुणवत्ता व प्रमाणित बीजों का प्रयोग करने से लगभग 20% उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है। अतः किसानो को बीज का चुनाव करते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना बहुत आवश्यक हो जाता हैं।

आइए जानते हैं कि जिस बीज की आप बुवाई करते हैं, उसकी पूरी प्रक्रिया क्या है?

1. प्रजनक बीज- यह बीज नाभिकीय बीज (न्यूक्लियस) से उत्पादित किया जाता है। प्रजनक की देख-रेख की में इस पर पीला टैग लगाया जाता है।

2. आधारीय बीज - इस बीज का उत्पादन प्रजनक बीज से किया जाता है। आवश्यकतानुसार आधारीय प्रथम से आधारीय द्वितीय बीज का उत्पादन किया है। इसकी उत्पादन, संसाधन, पैकिंग, रसायन उपचार एवं लेबलिंग आदि प्रक्रिया बीज प्रमाणीकरण संस्था की देखरेख में मानकों के अनुरूप होती है। इसके थैलों में लगने वाले टैग का रंग सफेद होता है।

3. प्रमाणित बीज - कृषकों को फसल उत्पादन हेतु बेचे जाने वाला बीज प्रमाणित बीज है। प्रमाणित बीज के टैग का रंग नीला होता है।

4. सत्यापित बीज (टी0एल0) - इसका उत्पादन, उत्पादन संस्था द्वारा प्रमाणित बीज से मानकों के अनुरूप किया जाता है।

कृषकों को बेहतर फसल उत्पादन के लिए बीज का चुनाव करते समय इन बातों का ख़्याल रखना चाहिए-

अच्छी गुणवत्ता वाले बीज मजबूत और स्वस्थ फसलों की वृद्धि के लिए आवश्यक हैं, जो बीमारियों या सूखे की स्थिति में भी अपने आप को जीवित रख सकते हैं। छोटे, सिकुड़े और टूटे बीजों में अंकुरण के लिए कम पोषण होता है। इस तरह के बीजों को हटाकर किसान स्वस्थ पौध और फसल प्राप्त कर सकते हैं।

किसान खुद से भी बीज भी पैदा कर सकते हैं लेकिन उन्हें ये ध्यान रखना चाहिए की कई बीमारियां हैं, जो बीज के माध्यम से फैलती हैं। यदि संक्रमित बीजों का उपयोग अगली फसल के लिए किया जाता है, तो बीज जनित रोग खेत में स्थानांतरित हो जाते हैं। इसलिए बीज, स्वस्थ पौधों से प्राप्त करना चाहिए।

स्वयं द्वारा बीज उत्पादन किसान कैसे करें - बीज़ उत्पादन के लिए लगाए गए फसल में विभिन्न पौधों के लक्षणो का निरीक्षण करके किसान यह जान सकता हैं कि कौन सा पौधा बेहतर विकास कर रहा हैं। एक रिबन या छड़ी से पसंदीदा पौधों को चिह्नित कर लें। कटाई के दौरान, किसान इन चिन्हित पौधों के बीज को अगली फसल के लिए आरक्षित कर सकते हैं।

फसल में कीटों और बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए भी अच्छे बीज का चयन बहुत महत्वपूर्ण है। बीजों की गुणवत्ता को वॉछित स्तर पर सुनिश्चित करने के लिए बीज प्रमाणीकरण का प्राविधान है।

1) बीज का सत्यापन - आधारीय एवं प्रमाणित बीजों के उत्पादन हेतु क्रमशः प्रजनक एवं आधारीय बीजों का प्रयोग आवश्यक है। उसी श्रेणी के बीज से उसी श्रेणी के बीज उत्पादन की अनुमति विशेष परिस्थितियों में दी जाती है। बीज प्रमाणीकरण संस्था निरीक्षण के समय बिल, भण्डार

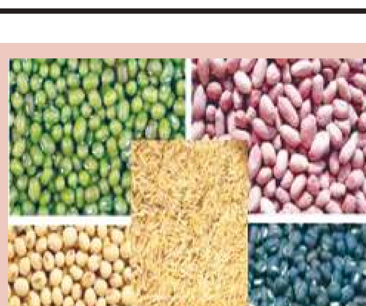

रसीद तथा टैग से बीज स्रोत का सत्यापन करती है।

2) फसल निरीक्षण - पुष्पावस्था एवं फसल पकने के समय दो निरीक्षण आवश्यक हैं। निरीक्षण के समय बीज फसल में अवॉछित पौधे नहीं होने चाहिएऔर फसल खरपतवार रहित होनी चाहिए। निरीक्षण के समय खेत में जगह-जगह पर काउन्ट लिये जाते हैं।

3) प्रयोगशाला परीक्षण - विधायन के उपरान्त प्रत्येक लाट से न्यायदर्श लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेज दिया जाता है। जनक बीजों का परीक्षण विश्वविद्यालय की तथा आधारीय व प्रमाणित बीजों का परीक्षण बीज प्रमाणीकरण संस्था की प्रयोगशाला में किया जाता है।

4) टैगिंग - जनक बीज पर सुनहरी पीले रंग का टैग सम्बन्धित प्रजनक तथा आधारीय व प्रमाणित बीजों पर क्रमशः सफेद व नीले रंग के टैग बीज प्रमाणीकरण संस्था द्वारा उपलब्ध कराये जाते है। उस बीज को उत्तम कोटि का माना जाता है जिसमें आनुवांशिक शुद्धता शत-प्रतिशत हो,अन्य फसल एवं खरपतवार के बीजों से रहित हो, रोग व कीट के प्रभाव से मुक्त हो, अंकुरण क्षमता उच्च कोटि की हो, खेत में जमाव और अन्ततः उपज अच्छी हो। कृषि विभाग द्वारा खरीफ, रबी एवं जायद फसलों के विभिन्न प्रजाति के प्रमाणित बीजों का वितरण सभी जनपदों के विकास खण्ड स्थिति बीज भण्डार के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है।